RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 शाहरुख के साथ फिल्म करना...

वर्ष : 26 अंक : 120 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 22 अप्रैल, 2024 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रुपया पेज: 8

रक्षामंत्री पहुंचे सियाचिन

जम्मू-कश्मीर (एजेंसी)। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आज लद्दाख के लेह में पहुंचकर सियाचिन में तैनात सशस्त्र बलों के जवानों से मिले तथा उनसे बातचीत की। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लद्दाख में सियाचिन ग्लेशियर के कुमार पोस्ट पर तैनात सशस्त्र बल के जवानों का हौंसला बढ़ाया।

आज सुबह ही दिल्ली से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सियाचिन के लिए विमान से रवाना हुए थे। उन्होंने एक्स पर पोस्ट साझा कर लिखा कि सियाचिन के लिए दिल्ली से रवाना हो रहा हूं। वहां तैनात हमारे साहसी सशस्त्र बल कर्मियों के साथ बातचीत करने के लिए उत्सुक हूं। सियाचिन में जवानों के साथ मुलाकात के दौरान वहां भारत माता की जय के जोरदार नारे लगे। इस दौरान राजनाथ सिंह भी वहां पर मौजूद थे। उन्होंने एक-एक जवान से मिलकर बातचीत की तथा उनका हाल-चाल जाना।

विरासत और विकास है भाजपा का मंत्र : योगी

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार में जनता की आकांक्षा के अनुरूप विकास के कार्य हुए हैं। ये पहली बार देश में देखने को मिला है। विकास और विरासत का अद्भुत समन्वय पीएम मोदी की पहचान है। इस दिशा में अद्भुत कार्य हुए हैं।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि इन मुद्दों पर चर्चा करने पर पब्लिक का रिस्पॉन्स मिलता है। जिन मुद्दों पर पब्लिक का सबसे ज्यादा समर्थन मिला है वो है इन्फ्रास्ट्रक्चर। आज देश में हाईवे दोगुने हुए हैं। 2014 से पहले 74 एयरपोर्ट थे आज इनकी संख्या डेढ़ सौ से ज्यादा हैं। कांग्रेस के समय केवल एक एम्स बना था। अटल जी की सरकार के समय छह नये एम्स की स्थापना हुई। पीएम मोदी के कार्यकाल में इनकी संख्या 22 हो गई है। इसी प्रकार आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी का विस्तार और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज विकास की नई गाथा कह रहे हैं।

● जनाकांक्षाओं के अनुरूप देश में किया गया है काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार देश में विरासत का सम्मान भी देखने को मिला है। काशी में विश्वनाथ धाम, महाकाल में महालोक, केदारपुरी, बद्रीनाथ और सोमनाथ मंदिर का पुनरोद्धार और अयोध्या में 500 इंतजार का समाप्त होना व प्रभु श्रीराम का पुन: विराजमान होना। इसके साथ ही इन सभी नगरियों का कायाकल्प भी हुआ है। काशी में पहले 50 लोग एक साथ दर्शन नहीं कर पाते थे। आज 50 हजार भी आ जाएं तो कोई दिक्कत नहीं। अयोध्या में 500 लोग आ जाते थे तो संकट खड़ा हो जाता था, आज 5 लाख भी आ जाएं तो परेशानी नहीं।

सीएम योगी ने कहा कि आस्था से जुड़े केंद्रों के बारे में हमें नया स्वरूप देखने को मिला है। विरासत और विकास का ये अद्भुत समन्वय अगर किसी एक महापुरुष के विजन और दृढ़ इच्छाशक्ति के कारण आज देश में देखने को मिला है तो वह प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में संभव हो पाया है। जनता इन मुद्दों को पूरा समर्थन दे रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह समर्थन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में फिर से प्रचंड बहुमत की सरकार बनाने के लिए आशीर्वाद में बदलेगा। पूरे देश में फिर एक बार मोदी सरकार का स्वर गूंज रहा है। आम जनता फिर से मोदी जी के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनने जा रही है।

क्राइम फाईल

घर के बाहर से बाइक चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना ईकोटेक तीन क्षेत्र के हबीबपुर गांव में किराए पर रहने वाले सुभाष की बाइक घर के बाहर से चोरी हो गई सुभाष ने 6 अप्रैल को अपनी बाइक घर के बाहर लॉक लगाकर खड़ी की थी अगले दिन जब वह सो कर उठा तो उसकी बाइक गायब थी। खाना भेज दो क्षेत्र मैं सेक्टर 85 स्थित कर्मा हुंडई में काम करने वाले तेज प्रताप यादव की बाइक कंपनी के बाहर से चोरी हो गई। तेज प्रताप यादव सुबह कंपनी में ड्यूटी पर आए थे शाम को जब वह वापस घर जाने के लिए निकले तो कंपनी के बाहर से उनकी बाइक गायब थी। किसी थाना क्षेत्र के भंगेल मंडी में दुकान चलाने वाले मोहम्मद साकिब की बाइक दुकान के बाहर से चोरी हो गई। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल कर रही है।

फेल होने पर घर छोड़ा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। 11वीं कक्षा में फेल होने की वजह से एक किशोर घर से बिना बताए चला गया किशोर के पिता ने थाना ईकोटेक में मुकदमा दर्ज कराया है।

कुलेसरा की अक्षरधाम कॉलोनी में रहने वाले अशोक कुमार ने बताया कि उनके बेटे ने 11वीं कक्षा की परीक्षा दी थी इस परीक्षा में वह फेल हो गया था फेल होने की वजह से वह 20 अप्रैल की सुबह घर से बिना बताए कहीं चला गया। उन्होंने अपने बेटे की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला पुलिस का कहना है कि पीड़ति की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और किशोर की तलाश की जा रही है।

मां को किया अधमरा किया

नोएडा (चेतना मंच)। मां द्वारा पैसे देने से इनकार करने पर कलयुगी बेटे ने उसकी डंडे से पिटाई कर लहूलुहान कर दिया। बेटे की करतूत से आहत मां ने बेटे के खिलाफ थाना जारचा में मुकदमा दर्ज कराया है। थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महेंद्री ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसके बेटे सोनू ने उससे पैसे मांगे। उसके द्वारा इनकार करने पर सोनू ने उसके साथ गाली गलौज की। (शेष पृष्ठ-4 पर)

यीडा के बिजली घर में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। यमुना विकास प्राधिकरण के बिजली घर में बिजली कार्य के लिए रखे गए केबल के बंडल चोरी हो गए। इस मामले में सुपरवाइजर गनमैन व गार्ड के खिलाफ थाना रबूपुरा में मुकदमा दर्ज कराया गया है। राजकुमार त्यागी ने बताया कि यमुना विकास प्राधिकरण के बिजली घर में बिजली कार्य के लिए पांच तरह के बिजली के केबल के बंडल रखे हुए थे बिजली के इन बंडलों को सुपरवाइजर मुनव्वर खान, गार्ड सोवरन सिंह, सचिन और गनमैन सतीश की सुपुर्दगी में दिया गया था। विभाग को जब तारों की जरूरत हुई तो साइट से बंडल गायब मिले। इस पर जब सुपरवाइजर व गार्डों से पूछताछ की गई तो वह कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए। अगले दिन से ही (शेष पृष्ठ-4 पर)

डा. खुर्जा वाले के इंजेक्शन से महिला की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। पैर में बनी गांठ (डील) में दर्द की वजह से डॉक्टर से इंजेक्शन लगवाना महिला को खासा महंगा पड़ा गलत इंजेक्शन लगने के कारण महिला की मौत हो गई। मृतका के बेटे ने थाना दनकौर में चिकित्सा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

मोहल्ला प्रेमपुरी कस्बा दनकौर निवासी ओमपाल ने बताया कि उनकी मां दयावती के दाएं पैर में गांठ बन गई थी। इस कारण उनके पैर में बहुत तेज दर्द हो रहा था। उनका छोटा भाई मोनू मां दयावती को झज्जर रोड पर डॉ राजकुमार खुर्जा वाले के यहां ले गया डॉक्टर ने उनकी मां को एक इंजेक्शन लगाया इंजेक्शन लगने के बाद उनकी हालत अचानक बिगड़ गई। दयावती की हालत को बिगड़ता देखकर वह उन्हें नजदीक के ही सुखमल अस्पताल लेकर पहुंचे चिकित्सकों ने (शेष पृष्ठ-4 पर)

शर्मनाक : मां की मौत के बाद पिता बना हैवान, बेटी की जिंदगी कर दी बर्बाद

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद में एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है। वर्ष-2018 में मां की मौत के बाद हैवान बने पिता ने अपनी नाबालिग बेटी की जिंदगी खराब कर दी। पिता पर आरोप है कि पिछले 5 साल से वह अपनी बेटी से बलात्कार कर रहा है। जिस कारण उसकी बेटी दो बार गर्भवती हो गई। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है।

गाजियाबाद के थाना मोदीनगर में पीड़ित लड़की ने अपने पिता के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

मोदीनगर फफराना रोड, नारायण कुंज कालोनी निवासी पीड़ित युवती ने अपने पिता पर संगीन आरोप लगाते हुए कहा है कि वर्ष-2018 में उसकी मां की मृत्यु हो गई थी। जब उसकी मां की मृत्यु हुई तो वह नाबालिग थी। मां की मृत्यु के बाद उसके पिता ने उसकी जिंदगी बर्बाद कर दी और उसके साथ बलात्कार किया। पिता की इस गंदी हरकत से वह गर्भवती हो गई। लेकिन घर के परिजनों ने इस शर्मनाक हरकत को छुपाने के लिए उसका गर्भपात करा दिया। पीड़ित लड़की का आरोप है कि उसके ताऊ, चाचा और छोटे भाई को उसके साथ हुई शर्मनाक हरकत की पूरी जानकारी है। इसके बावजूद वह चुप रहे।

पीड़ित लड़की का आरोप है कि पिता के इस कुकृत्य से वह फिर गर्भवती हो गई है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

छत से गिरकर चौकीदार की मौत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के साइट सी की एक कंपनी की छत से गिरकर चौकीदार की मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

मूल रूप से उत्तराखंड निवासी राम प्रकाश (55 वर्ष) पिछले 20 वर्षों से साइट सी स्थिति एक कंपनी में चौकीदार के रूप में कार्यरत था। बीती शाम वह कंपनी की छत पर बैठा हुआ था। इस दौरान संतुलन बिगड़ने की वजह से वह नीचे जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। कंपनी के कर्मचारी उसे गंभीर हालत में अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

हादसे की जानकारी मिलने पर थाना सूरजपुर पुलिस में अस्पताल पहुंची और शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है। परिजनों ने इस संबंध में अभी कोई शिकायत नहीं दी है।

बहनोई व परिजनों पर दहेज उत्पीड़न का आरोप

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 113 में एक व्यक्ति ने अपने बहनोई व उसके परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि उसके बहनोई ने नशे की हालत में उसकी बहन व भाई पर जानलेवा हमला कर उन्हें घायल कर दिया। आशीष यादव ने बताया कि उसकी बहन की शादी पृथला खंजरपुर गांव में रहने वाले राकेश यादव के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही उन्हें पता चला कि राकेश यादव शराब गांजे का सेवन कर घर में झगड़ा करता है। उन्होंने कई बार उसे समझाने का प्रयास किया लेकिन वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। इस दौरान राकेश यादव उसकी मां प्रेमवती व भाई आकाश यादव उसकी बहन पर मायके से दहेज लाने का दवाब बनाने लगे। उसकी बहन ने जब दहेज लाने से इनकार किया तो उसे तरह-तरह से प्रताड़ित किया जाने लगा। आशीष यादव के मुताबिक राकेश यादव ने गांजा के नशे में उसकी बहन के साथ मारपीट की और उसे घायल कर दियी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

गाजियाबाद के आभूषण कारोबारी से मांगी करोड़ों की फिरौती

गाजियाबाद (चेतना मंच)। गाजियाबाद के एक बड़े डायमंड कारोबारी से करोड़ों की रंगदारी मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। फिरौती न देने पर डायमंड कारोबारी के परिवार के सदस्यों की एक-एक कर हत्या करने की बात

रकम न देने पर परिवार के सदस्यों की हत्या की धमकी

कही गई है। कारोबारी को धमकी मिलने के बाद परिवार डरा हुआ है।

थाना सिहानी गेट में डायमंड कारोबारी भुवन गोयल पुत्र राजेश गोयल ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनका मैसर्स एस.के.ए. डायमंड के नाम से मुकुंदनगर मेन हापुड़ रोड गाजियाबाद में कारोबार है। एफआईआर में उन्होंने बताया कि विगत दिनों उन्हों एक (शेष पृष्ठ-4 पर)

ट्रेन की चपेट में आकर मरा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना बिसरख क्षेत्र के चिपियाना रेलवे क्रॉसिंग के पास रेलवे ट्रैक पार कर रहा है एक व्यक्ति ट्रेन की चपेट में आ गया। गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पीआरवी ने सूचना दी की चिपियाना रेलवे क्रॉसिंग पर ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास के लोगों से शव की पहचान कराई तो पता चला कि मृतक चिपियाना में रहने वाला बंटी पुत्र रामानंद जाटव है। बंटी मूल रूप से ग्राम भरवल थाना घनघटा जनपद संत कबीरनगर का रहने वाला था। घटना के समय वह रेलवे ट्रैक पार कर रहा था। इस दौरान ट्रेन की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर दिन तोड़ दिया।

श्मशान घाट में डॉगी का अंतिम संस्कार करने पर भड़के ग्रामीण

जालसाज को डॉगी के मालिक ने ऑन लाइन किया पेमेंट

नोएडा (चेतना मंच)। सर्फाबाद के श्मशान घाट में कुछ लोगों द्वारा पालतू डॉगी का अंतिम संस्कार किए जाने से ग्रामीण भड़क उठे। ग्रामीणों ने पालतू डॉगी का अंतिम संस्कार कर रहे लोगों को पकड़ लिया। मामला बढ़ता देखकर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और दोनों पक्षों को थाने ले आई।

सर्फाबाद के श्मशान घाट में कुछ लोग अपने पालतू डॉगी का विधिवत रूप से अंतिम संस्कार कर रहे थे। यह लोग श्मशान घाट में बाकायदा लकड़ियां एकत्रित कर अपने पालतू डॉगी के अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। इस दौरान ग्रामीणों को इसकी भनक लग गई। थोड़ी ही देर में काफी ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए। श्मशान घाट में पालतू डॉगी का अंतिम संस्कार किए जाने से ग्रामीण भड़क उठे।

सूचना मिलने पर थाना सेक्टर-113 पुलिस भी मौके पर पहुंच गई पुलिस पालतू डॉगी का अंतिम संस्कार कर रहे सेक्टर 36 निवासी मदन व ग्रामीणों को थाने ले आई। मदन से जब पूछताछ की गई तो उसने बताया कि उसके पालतू डॉगी का निधन हो गया था उसके अंतिम संस्कार के लिए उसने गूगल का सहारा लिया। गूगल की एक साइट पर उसे पालतू डॉगी के अंतिम संस्कार के लिए (शेष पृष्ठ-4 पर)

मेघदूतम पार्क में सूखे पत्तों में लगी आग

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में स्थित मेघदूतम पार्क में सोमवार सुबह अचानक आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक पार्क में पड़े पेड़ों के सूखे पत्तों में किसी ने बीड़ी या सिगरेट फेंक दी थी। जिस कारण आग लग गई। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि किसी ने जान बूझकर ये आग लगाई है। सूचना के बाद मौके पर पहुंचे दमकल कर्मियों आग पर काबू पा लिया है।

नोएडा के सेक्टर-49 कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-50 में स्थित मेघदूतम पार्क में आग लगने से अफरा तफरी का माहौल हो गया। सुबह अचानक आग लगने से पार्क में घूमने आए लोग वहां से बाहर निकल गए। लोगों ने पार्क में आग लगने की सूचना दमकल विभाग को दी। सूचना के मौके पर पहुंची दमकल विभाग की टीम ने आग पर काबू पा लिया है। बताया जा रहा है कि किसी शख्स ने बीड़ी या सिगरेट पी कर वहां फैंक दी थी। जिसके कारण पार्क में पड़े सूखे पत्तों में आग फैल गई।

आपको बता दें कि इससे पहले रविवार को फेज-वन कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-81 में खाली पड़े एक प्लाट में लगे कूड़े के ढेर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। घटना की सूचना पर मौके से पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया लिया है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक विंध्याचल तिवारी ने बताया कि सेक्टर-81 मेट्रो स्टेशन के पास चल रही राम कथा महायज्ञ के पीछे दूसरे प्लाट में रखे कबाड़ और कूड़े के ढेर में अज्ञात कारणों से आग लग गई। कबाड़ में आग लगने से तेज धुंआ और लपटें उठने के कारण राम कथा पंडाल के आसपास धुआं फैलने से अफरा-तफरी मच गई।

उन्होंने बताया कि हालांकि जिस समय आग लगी रामकथा नहीं चल रही थी। (शेष पृष्ठ-4 पर)

थार जीप में ट्रक ने मारी टक्कर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे पर आगरा से नोएडा आ रही थार गाड़ी में ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में थार गाड़ी में सवार तीन लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मूलरूप से जवाहर नगर कानपुर निवासी धनराज लालगंज रायबरेली निवासी मानवेंद्र गजेंद्र थार गाड़ी से आगरा से यमुना एक्सप्रेसवे के रास्ते नोएडा आ रहे थे। इस दौरान ओवरटेक करने के फेर में ट्रक ने थार गाड़ी में टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की जानकारी मिलने पर थाना जेवर पुलिस ने घायलों को निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया घायलों के परिजनों को हादसे की जानकारी दे दी गई है।

गैंगस्टर में वांछित ईनामी बदमाश को दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर 39 पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी बदमाश को गिरफ्तार किया है। इसके पास से तमंचा व कारतूस बरामद हुए है।

थाना प्रभारी ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर 37 स्थित बस स्टैंड के पास से अवनीश उर्फ अवनेश पुत्र दीनानाथ निवासी कासगंज को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में इसके पास से एक तमंचा व कारतूस बरामद हुए। पकड़े गए अवनीश उर्फ अवनेश पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत था और वह इस मामले में वांछित चल रहा था। लगातार वांछित चलने के कारण उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। पकड़े गए आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

चुनावी दौड़

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरुआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है। ईवीएम की शुरुआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ 'भ्रष्ट' हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है।

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि ज्ञान का मार्ग कृपाण (दोधारी तलवार) की धार के समान है। हे पक्षीराज! इस मार्ग से गिरते देर नहीं लगती। जो इस मार्ग को निर्विघ्न निबाह ले जाता है, वही कैवल्य (मोक्ष) रूप परमपद को प्राप्त करता है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

अति दुर्लभ कैवल्य परम पद। संत पुरान निगम आगम बद॥
राम भजत सोइ मुकुति गोसाई। अनइच्छित आवइ बरिआई॥
संत, पुराण, वेद और (तंत्र आदि) शास्त्र (सब) यह कहते हैं कि कैवल्य रूप परमपद अत्यंत दुर्लभ है, किंतु हे गोसाईं! वही (अत्यंत दुर्लभ) मुक्ति श्री रामजी को भजने से बिना इच्छा किए भी जबर्दस्ती आ जाती है॥
जिमि थल बिनु जल रहि न सकाई। कोटि भाँति कोउ करै उपाई॥
तथा मोच्छ सुख सुनु खगराई। रहि न सकइ हरि भगति बिहाई॥
जैसे स्थल के बिना जल नहीं रह सकता, चाहे कोई करोड़ों प्रकार के उपाय क्यों न करे। वैसे ही, हे पक्षीराज! सुनिए, मोक्षसुख भी श्री हरि की भक्ति को छोड़कर नहीं रह सकता॥
अस बिचारि हरि भगत सयाने। मुक्ति निरादर भगति लुभाने॥
भगति करत बिनु जतन प्रयासा। संसृति मूल अबिद्या नासा॥
ऐसा विचार कर बुद्धिमान हरि भक्त भक्ति पर लुभाए रहकर मुक्ति का तिरस्कार कर देते हैं। भक्ति करने से संसृति (जन्म-मृत्यु रूप संसार) की जड़ अविद्या बिना ही यंत्र और परिश्रम के (अपने आप) वैसे ही नष्ट हो जाती है,॥
भोजन करिअ तृपिति हित लागी। जिमि सो असन पचवै जठरागी॥
असि हरि भगति सुगम सुखदाई। को अस मूढ़ न जाहि सोहाई॥
जैसे भोजन किया तो जाता है तृप्ति के लिए और उस भोजन को जठराग्नि अपने आप (बिना हमारी चेष्टा के) पचा डालती है, ऐसी सुगम और परम सुख देने वाली हरि भक्ति जिसे न सुहावे, ऐसा मूढ़ कौन होगा?॥
दो0-सेवक सेब्य भाव बिनु भव न तरिअ उरगारि।
भजहु राम पद पंकज अस सिद्धांत बिचारि॥
हे सर्पों के शत्रु गरुड़जी! मैं सेवक हूँ और भगवान मेरे सेव्य (स्वामी) हैं, इस भाव के बिना संसार रूपी समुद्र से तरना नहीं हो सकता। ऐसा सिद्धांत विचारकर श्री रामचंद्रजी के चरण कमलों का भजन कीजिए॥

(क्रमशः....)

मानवता के कल्याण के लिए समर्पित था महावीर स्वामी का विचार

हमारे देश में अनेक ऐसे संत ज्ञानी महापुरुष हुए हैं जिन्होंने न केवल भारत वरन पूरे विश्व में अपने ज्ञान का प्रकाश फैलाया है महावीर स्वामी उनमें से एक थे। जैन अनुश्रुतियों और परंपराओं के अनुसार जैन धर्म की उत्पत्ति और विकास में 24 तीर्थंकर सम्मिलित हैं इनमें से 22 तीर्थंकरों की ऐतिहासिकता स्पष्ट और प्रमाण रहित है। अंतिम दो तीर्थंकर पार्श्वनाथ (23वें) एवं महावीर स्वामी (24 वें) एवं अन्तिम तीर्थंकर की ऐतिहासिकता को जैन धर्म के ग्रंथों में प्रमाणित किया गया है।

महावीर स्वामी जैन धर्म के 24 वें और अन्तिम तीर्थंकर थे। जैन धर्म की स्थापना का श्रेय इन्हें ही दिया जाता है क्योंकि इस धर्म के सुधार तथा व्यापक प्रचार प्रसार इनके समय में ही हुआ था। महावीर स्वामी का जन्म करीब ढाई हजार वर्ष पहले ईशा से 540 वर्ष पूर्व वैशाली गणराज्य के कुंड ग्राम में ज्ञागृत वंशी क्षत्रिय परिवार में हुआ था। इनके पिता सिद्धार्थ कुंड ग्राम की क्षत्रिय कुल के प्रधान तथा माता त्रिशला लक्ष्मी नरेश चेटक की बहन थी। इनका जन्म तीसरी संतान एवं वर्द्धमान के रूप में चैत्र शुक्ल तेरस को हुआ। वर्द्धमान को वीर, अतिवीर और समंती भी कहा जाता था। वर्द्धमान को लोग श्रेयांश और यशस्वी भी कहते थे। इनके बड़े भाई का नाम नंदीवर्धन एवं बहन का नाम सुदर्शना था। वर्द्धमान का बचपन राजमहल में राजसी सुखसुविधा में बीता वो बड़े निर्भीक और साहसी थे। जब यह आठ वर्ष के हुए तो उन्हे पढ़ने, शिक्षा लेने, शस्त्र शिक्षा लेने के लिए शिल्प शाला में भेजा गया। वर्द्धमान का विवाह यशोदा नामक राजकान्या से हुआ इनकी अंवद्धा नाम की बेटी भी थी, कालांतर में जिसका विवाह जमालि से हुआ जो इनके शिष्य भी थे। 30 वर्ष की आयु में वर्द्धमान ने संसार से विरक्त होकर राज वैभव त्याग दिया और संन्यास धारण कर आत्म ज्ञान और कल्याण के पथ पर निकल गए। वर्षों की कठिन तपस्या के बाद उन्हें कैवल्य (ज्ञान) प्राप्त हुआ इसी कारण इन्हें केवलिन भी कहा जाता है। जिसके पश्चात उन्होंने संवत शरण में ज्ञान प्रसारित किया। अपनी सभी इंद्रियों पर विजय पाने के कारण वे 卐जिन卐 अर्थात विजेता कहलाए और इसी कारण उनके अनुयाई जैन कहलाते हैं। अपनी साधना में अडिग रहने तथा पराक्रम दिखाने के कारण इन्हें महावीर नाम से संबोधित कर महावीर स्वामी बना दिया गया। 72 वर्ष की आयु में इन्हें पावापुरी में मोक्ष की प्राप्ति हुई। इस दौरान महावीर स्वामी के कई अनुयाई बने जिसमें उस समय के प्रमुख राजा बिंबिसार कुदिक और चेतन भी शामिल थे।

जैन धर्म को मानने वाले प्रमुख राजा थे उदायिन, चंद्रगुप्त मौर्य, कलिंग का शासक खारवेल, राष्ट्रकूट शासक अमोघ वर्ष, चंदेल शासक इत्यादि। महावीर स्वामी के उपदेशों उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांतों, विधानों का जनमानस पर बड़ा व्यापक प्रभाव पड़ा उनके समय में उत्तरी भारत में तो इस धर्म के प्रचार प्रसार हेतु कई केदो की भी स्थापना की गई सामान्य जनों के अतिरिक्त बिंबिसार तथा उनके पुत्र अजातशत्रु जैसे राजा भी महावीर स्वामी के उपदेशों से प्रभावित हुए। जैन समाज द्वारा

जैन ग्रंथों के अनुसार समय-समय पर जैन धर्म के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है। जो सभी जीवो को वास्तविक आत्मिक सुख व शांति प्राप्ती का उपाय बताते हैं। तीर्थंकरों की संख्या 24 ही कही गई है जिसमे महावीर वर्तमान पीढ़ी के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर थे।

महावीर स्वामी के जन्मदिवस को महावीर जयंती तथा उनके मोक्ष दिवस को दीपावली के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है।

जैन ग्रंथों के अनुसार समय-समय पर जैन धर्म के प्रवर्तन के लिए तीर्थंकरों का जन्म होता है। जो सभी जीवो को वास्तविक आत्मिक सुख व शांति प्राप्ती का उपाय बताते हैं। तीर्थंकरों की संख्या 24 ही कही गई है जिसमे महावीर वर्तमान पीढ़ी के 24 वें और अंतिम तीर्थंकर थे। हिंसा, पशु ,बलि जात-पात का भेदभाव जिस युग में बढ़ गया उसी युग में महावीर स्वामी का जन्म हुआ। उन्होंने दुनिया को सत्य, अहिंसा का पाठ पढ़ाया। तीर्थंकर महावीर स्वामी ने अहिंसा को सबसे उच्चतम नैतिक गुण बताया। उन्होंने दुनिया को जैन धर्म के पंचशील सिद्धांत बताएं जो अहिंसा, सत्य, अपरिग्रह, असतेय और ब्रह्मचर्य हैं। उन्होंने अनेकांतवाद, स्यादवाद और अपरिग्रह जैसे अद्भुत सिद्धांत दिए। महावीर के सर्वोदय तीर्थ में जाति की सीमाएं नहीं थी। महावीर स्वामी का आत्म धर्म जगत की प्रत्येक आत्मा के लिए समान था। दुनिया की सभी आत्मा एक सी है इसलिए हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें जो हमें स्वयं को पसंद हो यही महावीर स्वामी का जियो और जीने दो का सिद्धांत था।

जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर महावीर स्वामी अहिंसा के प्रतिमान, प्रतीक थे। उनका जीवन त्याग और तपस्या से ओतप्रोत था। उन्हें एक लंगोटी तक का परिग्रह नहीं था। उन्हें हिंसा ,पशु बलि, जाती, पद के भेदभाव से घृणा थी। महावीर स्वामी के माता-पिता जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ जो महावीर से 250 वर्ष पूर्व हुए थे उनके अनुयाई थे। महावीर स्वामी ने चातुर्याम धर्म में ब्रह्मचर्य जोड़कर पांच महाव्रत रूपी धर्म चलाया। यह सबसे प्रेम का व्यवहार करते थे उन्हें इस बात का अनुभव हो गया था कि इंद्रियों का सुख विषय वासनाओं का सुख दूसरों को दुख पहुंचा करके ही पाया जा सकता है इसलिए वह इंद्रिय सुख को महत्व नहीं देते थे। महावीर जी की 28 वर्ष की उम्र में उनके माता-पिता का देहांत हो गया जेष्ठ बंधु नंदीवर्धन के अनुरोध पर वे दो बरस तक घर पर रहे बाद में 30 वर्ष की उम्र में वर्धमान ने श्रावणी दीक्षा लेकर वह श्रवण बन गए उनके शरीर पर परिग्रह के नाम पर एक लंगोटी भी नहीं रही अधिकांश समय वे ध्यान में ही मगन रहते, हाथ में ही भोजन कर लेते, गृहस्तों से कोई चीज नहीं मांगते थे। धीरे-धीरे उन्होंने पूर्ण आत्म साधना प्राप्त कर ली।

महावीर स्वामी ने 12 वर्ष तक मौन साधना, तपस्या की और तरह-तरह की कष्ट झेले अंत में उन्हें कैवल्य (ज्ञान) प्राप्त हुआ। कैवल्य ज्ञान प्राप्त होने के बाद महावीर ने जन कल्याण के लिए उपदेश देना शुरू किया। वह अर्धमगधी भाषा में भी उपदेश करने लगे ताकि जनता उसे भली-भांति समझ सके। महावीर ने अपने प्रवचनों में अहिंसा, सत्य, असते, ब्रह्मचर्य और परिग्रह पर सबसे अधिक जोर दिया। त्याग और संयम प्रेम और करुणा सील और सदाचार ही उनके प्रवचनों का सार था। महावीर स्वामी ने श्रमण और श्रमणी, श्रावक और श्राविका सबको लेकर चतुर्विद् संघ की स्थापना की उन्होंने कहा जो जिस अधिकार का हो वह उसी वर्ग में आकर सम्यकतत्त्व पाने के लिए आगे बढ़े। जीवन का लक्ष्य शांति पाना है। धीरे-धीरे देश के भिन्न-भिन्न भागों में घूम कर महावीर स्वामी ने अपना पवित्र संदेश फैलाया, महावीर स्वामी ने 72 वर्ष की अवस्था में ईसा पूर्व 527 में पावापुरी(बिहार) में कार्तिक (अश्वनी) कृष्ण अमावस्या को निर्वाण प्राप्त किया। इनके निवार्ण दिवस पर जैन धर्म के अनुयाई घर-घर दीपक जला कर दीपावली मनाते है। जैन धर्म का कोई संस्थापक नहीं है बल्कि जैन धर्म 24 तीर्थंकरों के जीवन और शिक्षा पर आधारित धर्म है। तीर्थंकर यानी वह आत्माएं जो मानवीय पीड़ा और हिंसा से परे इस सांसारिक जीवन को पार कर आध्यात्मिक मुक्ति के क्षेत्र में पहुंच गई हैं। सभी जैनियों के लिए 24 वें तीर्थंकर महावीर स्वामी जैन धर्म में खास महत्व रखते हैं। महावीर इन आध्यात्मिक तपस्वियों में से अंतिम तीर्थंकर थे लेकिन जहां औरों की ऐतिहासिकता अनिश्चित है वही महावीर के बारे में पक्के तौर पर कहा जा सकता है कि उन्होंने इस धरती पर जन्म लिया। अहिंसा के इस उपदेश का जन्म क्षत्रिय जाति में हुआ वह गौतम बुद्ध के समकालीन थे। महावीर के अनुयायियों के लिए मुक्ति का मार्ग त्याग और बलिदान ही है लेकिन इसमें जीवात्माओं की बली शामिल नहीं है।

कुछ बौद्ध ग्रंथों में महावीर का उल्लेख है लेकिन आज हम इसके बारे में जो कुछ भी जानते हैं उसका आधार जैन ग्रंथ है। प्रचारआत्मक कल्पसूत्र यह ग्रंथ महावीर के सदियों बाद लिखा गया है। इससे पहले लिखे गए आचरंगसूत्र हैं इस ग्रंथ में महावीर को भ्रमण करने वाले एकांकी साधु के रूप में दिखाया गया है। कहा जाता है कि महावीर ने 30 वर्ष की उम्र में भ्रमण करना शुरू किया और वह 42 साल की उम्र तक भ्रमण करते रहे।

ज्ञान की खोज में गृह त्याग कर महावीर ने अपनी यात्रा की शुरुआत एक भयानक पीड़ा दायक संकल्प से की थी। कल्पसूत्र में अशोक वृक्ष के नीचे घटित उस क्षण का वर्णन है। वहां उन्होंने अपने अलंकार, मालाएं और सुंदर वस्त्र, वस्तुओं को त्याग दिया। आकाश में चंद्रमा और ग्रह नक्षत्र के शुभ संयोग की बेला में उन्होंने ढाई दिन के निर्जल उपवास के बाद दिव्य वस्त्र धारण कर लिए। वह उस समय बिल्कुल अकेले थे। अपने केस लूंछित कर अर्थात तोड़कर, अपना घर छोड़कर वह सन्यासी हो गए थे। जैन खुद अपनी मुट्ठियों से अपने बाल का लुंचन करते हैं। महावीर और जैन परंपरा की शिक्षाएं 20वीं सदी के भारत में तब राजनीतिक रूप से और भी महत्वपूर्ण हो गई थी जब महात्मा गांधी ने इतिहास के शक्तिशाली ब्रिटिश राज को हटाने के लिए अहिंसा का प्रयोग किया। गांधी जी ने जैन धर्म के सभी जीवित प्राणियों के प्रति सम्मान की भावना का बेहद आदर करते थे।

महावीर के पवित्र उपदेश संपूर्ण भारत में विशेषकर पश्चिमी भारत के गुजरात ,राजस्थान में और दक्षिण भारत में अधिक संख्या में लोगों ने जैन धर्म अपनाया। कर्नाटक के श्रावण बेलगोला में आपको सबसे प्रसिद्ध जैन तीर्थ मिलेगा एक विशालकाय प्रतिमा जो एक पर्वत की चोटी को काटकर गढी गई है बाहुबली। जैन परंपरा के अनुसार बाहुबली या गोमट पहले तीर्थंकर के पुत्र थे। 17 मीटर ऊंची और 8 मीटर चौड़ी यह प्रतिमा एक चट्टान से बनी है जो विश्व की सबसे विशाल मानव निर्मित प्रतिमा है। जैन प्रतिमाओं में सहज रूप से तप की अंतिम अवस्था को दर्शाता है। कठोर जैन निरामिष भोजन में न केवल मांस और अंडों का सेवन निषेध है बल्कि कंद मूल भी वर्जित है शायद इसीलिए कि उन्हें उखाड़ने से जमीन के अंदर आसपास के पौधों और छोटे जीव जंतुओं को कष्ट पहुंचता है।

- ऋचा सिंह

नेताजी ने भावुक होकर कहा

व्यंग्य

अधिकतर नेताओं को नेताजी पुकारना, मुझे अच्छा नहीं लगता लेकिन बहुत सी गलत परम्पराएं जारी रखनी पड़ती हैं। खैर, नेताजी जो पिछले चुनाव में जीतकर मंत्रीजी हो गए थे उन्हें अपने क्षेत्र के कुछ हिस्सों में आए पांच साल हो गए थे। चुनाव फिर आ गया तो फिर से उम्मीदवार घोषित होने के बाद पहली बार अपने क्षेत्र के उदास हिस्से में पहुंचे। चुनाव में जन मिलन कार्यक्रम होना ही था, आयोजित हुआ। लोगों की भीड़ तो वैसे भी हमारे यहां बढ़ती जा रही है। लोगों के पास कुछ और करने के लिए था नहीं सो उस दिन भी खूब भीड़ उमड़ी। मंत्रीजी को देखने या लोगों द्वारा उनके गले लगने का आनंद अनूठा होता है। चुनाव में तो मंत्रीजी को वैसे भी हर किसी को गले लगाना पड़ता है।

जनसभा यदि छोटी जगह पर हो तो ऐसा संभव हो भी जाता है। काफी लोग बिना नहाए धोए, गंदे कपड़ों में, बिना हाथ धोए ही मंत्रीजी के गले पड़ जाते हैं और हाथ भी मिलाते हैं। मंत्रीजी बुरा नहीं मान सकते। माहौल में चुनाव की जबर्दस्त चहक घुली हुई होती है। उन्होंने अपने हाथ उठाकर भाषण शुरू करते हुए कहा, आज, यहां वे वैसे ही आए हैं जैसे कई साल पहले आते थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वे यहां बुजुर्गों, बहनों, भाइयों और बच्चों तक के नाम, परिवार समेत और उनके काम से जानते हैं। उनकी समस्याओं से अच्छी तरह से वाकिफ हैं। वास्तव में यह बात देश का बच्चा बच्चा समझता मानता है कि बड़े लोगों का तो आम आदमी की समस्याओं से वाकिफ होना ही काफी होता है।

उन्हें मंत्रीजी सुनना ही पसंद है, इसलिए पूर्व मंत्रीजी या उम्मीदवारजी नहीं कह सकते। आम तौर पर ज्यादातर लोग उनके नाम के साथ जी नहीं लगाते। खैर, उन्होंने फिर हाथ उठाकर कहा कि समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्होंने संजीदा अभिनय के साथ कहा तो लगा, कभी न कभी तो समाधान हो ही जाएगा। अभी समाधान होना समस्या है, एक दिन समस्या खुद ही समाधान हो जाएगी। नेताजी सोच तो रहे होंगे कि बार बार उसी मुश्किल काम के लिए कहा जाता है। वे भी इंसान हैं। इतनी जातियों, सम्प्रदायों और धर्मों के लोगों को एक जुट करना, युवाओं का भविष्य सुरक्षित करना टेढ़े काम हैं।]

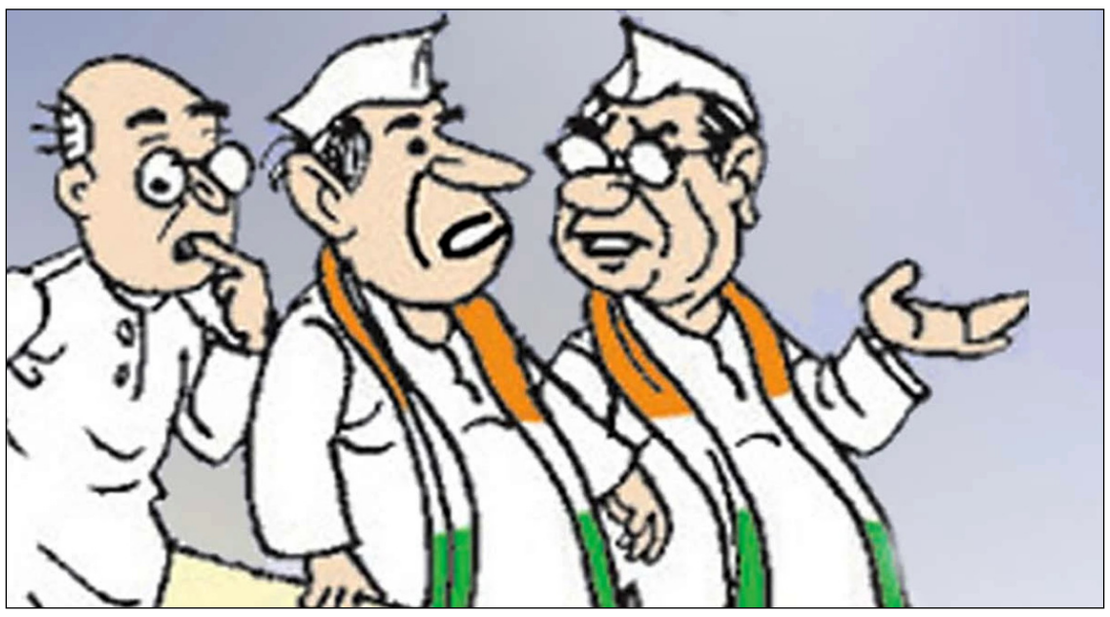

जनसभा यदि छोटी जगह पर हो तो ऐसा संभव हो भी जाता है। काफी लोग बिना नहाए धोए, गंदे कपड़ों में, बिना हाथ धोए ही मंत्रीजी के गले पड़ जाते हैं और हाथ भी मिलाते हैं। मंत्रीजी बुरा नहीं मान सकते। माहौल में चुनाव की जबर्दस्त चहक घुली हुई होती है।

सब जानते हैं कि भविष्य बताने वालों का भविष्य भी कोई सुधार नहीं सकता। बिगड़ते वातावरण में, पर्यावरण सुधारने के लिए जल, जंगल और जमीन बचाने जैसी असंभव सी बातें करनी पड़ती हैं।

कहने वाले, सुनने वाले सब जानते हैं, जब तक नेताजी फिर से चुनाव जीतकर विधायक नहीं हो जाते कुछ कहना बेकार है। मंत्रीजी जाते हुए सोच रहे थे कि उनका आज का अभिनय ठीक रहा।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

चैत्र कृष्ण पक्ष : चतुर्दशी (विक्रम संवत् 2081)

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
पैरों में चोट चपेट लग सकती है। स्वास्थ्य की स्थिति थोड़ी मध्यम रहेगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तू तू मैं मैं से बचें। मानसिक अवसाद की स्थिति दिख रही है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। सीने में विकार संभव है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य में सावधानी बरतें। प्रेम संतान की स्थिति भी मध्यम है। व्यापार बहुत अच्छा नहीं रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
मुख रोग के शिकार हो सकते हैं। धन हानि के भी संकेत है। स्वास्थ्य नरम गरम, प्रेम संतान ठीक-ठाक, व्यापार भी सही चलेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
ऊर्जा का स्तर घटता बढ़ता रहेगा। बेचैनी, घबराहट बनी रहेगी। प्रेम संतान ठीक रहेगा। व्यापार भी सही चलता रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
अनाब शनाब खर्चे मन को परेशान करेंगे। अज्ञात भय सताएगा। नेत्र पीड़ा, सर दर्द भी संभव है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
आय में उतार चढ़ाव बना रहेगा। मानसिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रहेगी। बच्चों को लेकर के मन परेशान रहेगा।

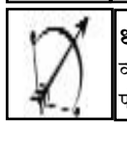

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
व्यापारिक उतार चढ़ाव बना रहेगा। पिता के स्वास्थ्य को लेकर मन परेशान रहेगा। पैतृक संपत्ति की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मकर राशि की स्थिति ठीक-ठाक कही जाएगी लेकिन मान सम्मान पर कोई ठेस न पहुंचने पाए इस बात का ध्यान रखें।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
स्वास्थ्य की स्थिति माध्यम रहेगी। चोर चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। थोड़ा बचकर पार करें।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
जीवनसाथी के साथ कठुता बढ़ेगी। प्रेमी प्रेमिका में भी कठुता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा, प्रेम संतान मध्यम रहेगा।

दीपक नागर के नेतृत्व में युवाओं ने किया भाजपा प्रत्याशी का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी विधायक तेजपाल नागर के पुत्र दीपक नागर के नेतृत्व में कल दादरी में भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा का परशुराम धर्मशाला, सामुदायिक केंद्र गढ़ी ,रेलवे रोड दादरी,एस्कॉर्ट कॉलोनी, बड़ा बाजार, केनरा बैंक के पास, दौलतराम कालोनी व पिंक सिटी में स्वागत किया गया। इस मौके पर प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा ने लोगों से समर्थन की अपील की। सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि डबल इंजन की सरकार सर्वजन के लिए काम कर रही है तो सभी का फर्ज बनता है कि भारतीय जनता पार्टी को वोट दें वहीं विधायक पुत्र दीपक नागर ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम योगी के नेतृत्व में गौतमबुद्धनगर में जमकर विकास कार्य किए गए हैं।

रक्षामंत्री की जनसभा को लेकर भाजपा की बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा के क्षेत्रीय महामन्त्री विकास अग्रवाल एवं जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कल देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एक विशाल जनसभा दादरी बिसाहडा में लोकसभा प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद डॉक्टर महेश शर्मा के समर्थन में संबोधित करेंगे। जिलाध्यक्ष गजेन्द्र मावी ने कहा कि लोकसभा गौतमबुधनगर के भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा के जनसमर्थन विशाल रैली को देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जिसमे हज़ारों की संख्या में जनता और कार्यकर्ता पहुँचेंगे। इस अवसर पर मुख्यरूप से लोकसभा प्रभारी अनिल शिसोदिया, क्षेत्रीय मंत्री आशीष वत्स, सेवानन्द शर्मा, मनोज शिसोदिया, कर्मवीर आर्य, इन्द्र नागर, राज नागर, गुरूदेव भाटी, विचित्र तोमर, मनीष भाटी, अशोक भाटी, अशोक रावल आदि दर्जनों कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लोकसभा चुनाव को लेकर भाजपा की हुई बैठक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी की एक बैठक ज़िला कार्यालय पर आयोजित की गयी बैठक में मुख्यअतिथि ज़िला प्रभारी प्रमोद गुप्ता रहे बैठक का संचालन ज़िला महामंत्री योगेश चौधरी ने किया बैठक में 26 अप्रैल को लोकसभा चुनाव को लेकर की गयी। बैठक को संबोधित करते हुए ज़िला प्रभारी प्रमोद गुप्ता ने कहा कि सभी पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता विशेष शक्ति केन्द्र बैठक 21 व 22 अप्रैल को शक्ति केन्द्रो पर उपस्थित रहेंगे। शक्ति केन्द्र बैठक में पूरी बूथ समिति पन्ना प्रमुख के साथ बैठक करेंगे बैठक में बूथ पर पर वर्तमान व पूर्व के पदाधिकारी कार्यकर्ता भी बुलायें जायें समिति बैठक के साथ बूथ विजयी और बूथ पर भाजपा प्रत्याशी पूर्व केन्द्रीय मंत्री सांसद डॉक्टर महेश शर्मा के लिए अधिक से अधिक मतदान हो उसके लिये प्रचार प्रसार करेंगे। हमारा प्रत्येक कार्यकर्ता का लक्ष्य लोकसभा चुनाव जीतना है।

इस अवसर पर मुख्यरूप से पूर्व जिलाध्यक्ष शिवओम शर्मा, जिला महामंत्री दीपक भारद्वाज, मनोज गर्ग, धर्मेन्द्र कोरी, योगेश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष सेवानन्द शर्मा, सुनील भाटी, पवन रावल, सतेंद्र नागर, पवन नागर, मीडिया प्रभारी कर्मवीर आर्य, पंकज रावल, जिला मंत्री सत्यपाल शर्मा, गुरुदेव भाटी, अमित शर्मा, रिंकु भाटी, विकास चौधरी, मंडल प्रभारी रवि जिंदल, इन्द्र नागर, सुनील शर्मा, सतीश भाटी, विजय रावल, सुरेन्द्र नागर, धर्मेन्द्र भाटी, सरफ़राज़ अली, राजीव सिंघल आदि दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ने किया रक्तदान शिविर का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब के सदस्य सुमित माहेश्वरी ने बताया रोटरी क्लब ग्रेटर नोएडा द्वारा एक रक्तदान शिविर कल दिगम्बर जैन मंदिर बीटा-2 ग्रेटर नोएडा में लगाया गया।

महावीर जयंती के उपलक्ष में दिगम्बर जैन मंदिर समिति के सहयोग से गौतमबुधनगर चेरिटेबल ब्लड सेंटर के साथ मिलकर शिविर लगाया गया। स्वस्थ व्यक्ति हर 3 महीने बाद रक्तदान कर सकता है। रक्तदान करने से शरीर में कोई कमजोरी नहीं आती।

शिविर में मुकुल गोयल, कपिल शर्मा, शुभम् सिंघल, कपिल गुप्ता, विनय गुप्ता, विकास गर्ग, आदित्य अग्रवाल, विशाल तायल, उदित गोयल, मनीष गुप्ता, रेखा मेम आदि सदस्य उपस्थित रहे। मंदिर समिति से अमित जैन, नीरज जैन, निकेश जैन, मुकेश जैन आदि सदस्य उपस्थित रहे।

भाजपा के चुनावी कार्यालय का हुआ उद्घाटन

ज्ञानपुर (भदोही)। लोकसभा चुनाव कार्यालय का कल विधि विधान से अर्पित लान ज्ञानपुर नत्थईपुर रोड पर उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर क्लस्टर इंचार्ज आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया मुख्य अतिथि दयालु मिश्रा ने कहा केंद्रीय कार्यालय खुल जाने से कार्यकर्ताओं और जनता के लिए आसान हो गया चुनाव की सारी व्यवस्थाएं यहां से संचालन किया जाएगा और केंद्रीय कार्यालय पांचो विधानसभाओं के लगभग मध्य में है जिसमें हड्डियां प्रतापपुर को भी जोड़ा जा सकता है यहां से

जिला प्रभारी नागेन्द्र सिंह रघुवंशी ने कहा भारतीय जनता पार्टी ढाई लाख वोटो से भदोही से चुनाव जीत रही है तीसरी बार भारतीय जनता पार्टी की सरकार दिल्ली में बनने जा रही है पार्टी ने सारी तैयारी कर ली है हर क्षेत्र में हमारे कार्यकर्ता उत्साहित है सपा बसपा और कांग्रेस की जमानत जप्त होगी टीएमसी का प्रत्याशी यहां से अपनी जमानत जप्त होने से भी नहीं बचा पाएगा

लोकसभा प्रभारी अभिमन्यु सिंह ने कहा जिस तरह से पार्टी का उत्साह भदोही में दिख रहा है कार्यकर्ता ऊर्जावान है विकास के बल पर यहां से कमल खिला कर भदोही से इतिहास रचा जाएगा

लोकसभा प्रत्याशी डॉक्टर विनोद बिन्द ने कहा हमें अपने लोकसभा में सभी कार्यकर्ताओं के उपर भरोसा है जिस तरह से उत्साह जनता कार्यकर्ता व पदाधिकारी के अंदर दिख रहा है भारी से भरी मतों से यहां से मैं चूनाव जीतूंगा यह मुझे पूरा आश्वासन और भरोसा है।

भाजपा के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा ने कहा हमें अपने कार्यकर्ताओं पर पूरा विश्वास है केंद्रीय कार्यालय खुलने से हम लोगो की मंजिल आसान हो चुकी है आने वाले समय में इतिहास गवाही करेगा यहां का चुनाव ढाई से तीन लाख मतों से डॉक्टर विनोद बिन्द को जीताकर कमल का फूल खिलाकर दिल्ली के तक्थ को मजबूत किया जाए।

इस अवसर पर लोकसभा संयोजक श्याम बिहारी पांडेय, ज्ञानपुर विधायक विपुल दुबे, औराई विधायक दीनानाथ भास्कर, पूर्व विधायक भदोही रविंद्र नाथ त्रिपाठी, पूर्व जिला अध्यक्ष घनश्याम मिश्रा, नागेंद्र सिंह, अवधेश सिंह, सारथी अशोक जायसवाल, सत्यसिल गुप्ता, सुष्मिता मौर्य, ब्लॉक प्रमुख प्रशांत सिंह, चिंट गोवर्धन राय, छत्रपति सिंह, मनीष पांडेय, अखिलेंद्र सिंह बघेल, चिंटू, प्रदीप सिंह, गोरेलाल पांडेय, मृत्युंजय आकाश, शिवम, दीपक, राजेंद्र पाल बघेल, चंद्रशेखर सिंह, स्नेह लता श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव, रेशमा बानो, सरिता बिन्द, लक्ष्मी बिन्द, सरिता गुप्ता आदि लोग मौजूद रहे।

भाजपा के कई दिग्गज नेता पहुंचे कोप भवन

भदोही। लोकसभा भदोही में भारतीय जनता पार्टी के कई दिग्गज नेता लोकसभा चुनाव से अपने को दूर कर लिए हैं। दिग्गजों के नदारद होने से पार्टी प्रत्याशी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। चाहे वह पार्टी प्रत्याशी डॉक्टर विनोद बिंद के स्वागत समारोह का कार्यक्रम हो या फिर कल चुनावी कार्यालय के उद्घाटन का कार्यक्रम इन कार्यक्रमों में पार्टी के कई दिग्गज नेता दिखाई नहीं दिए इससे पार्टी में गुटबाजी की संभावना प्रबल होती जा रही है एक तरफ इडी गठबंधन एवं टीएमसी के प्रत्याशी ललितेश पति त्रिपाठी जहां धुआंधार चुनाव प्रचार कर जनता के बीच में अपनी पैठ बनाने का काम कर रहे हैं। वहीं भाजपा प्रत्याशी डॉक्टर विनोद बिंद को अपनों से ही अधिक खतरा पैदा हो गया है। कई दिग्गज भाजपा नेता अपने को दूर कर कोप भवन में चले गये हैं।

हालांकि टिकट मिलने के बाद भाजपा प्रत्याशी नाराज नेताओं को मनाने का भरपूर प्रयास किया। लेकिन उनका यह प्रयास सफल साबित होता नहीं दिखाई दे रहा है। हालांकि नामांकन की प्रक्रिया 29 अप्रैल से प्रारंभ होगी। लेकिन जिस तरह से भाजपा का चुनावी माहौल भदोही में नहीं बन पा रहा है। उससे भाजपा के रणनीतिकारों के माथे पर चिंता की रेखाएं बलवती होती जा रही हैं।

भारतीय किसान यूनियन बलराज संगठन के बैनर तले अनिश्चित कालीन धरना सेक्टर 142 नोएडा शहदरा गांव में आज 68वे दिन भी जारी रहा।

विभिन्न स्थानों से 4 बाइक चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग थाना क्षेत्र से वाहन चोर 4 बाइक चोरी कर ले गए। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

थाना फेस दो क्षेत्र के भंगेल स्थित विशाल मेगा मार्ट में काम करने वाले इमरान ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि वह 17 अप्रैल को विशाल मेगा मार्ट में ड्यूटी करने आया था। उसने अपनी बाइक विशाल मेगा मार्ट के बाहर खड़ी कर दी। शाम को ड्यूटी खत्म करने के बाद जब वह बाहर आया तो उसकी बाइक गायब थी।

भंगेल स्थित जीवी कंपलेक्स के पास रहने वाले दीपक कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसने 16 अप्रैल को अपनी बाइक भंगेल में त्यागी गेट के पास खड़ी की थी। अगले दिन सुबह जब वह बाइक लेने गया तो उसकी बाइक गायब मिली। दीपक ने थाना फेस 2 में चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है।

थाना बिसरख में पवन कुमार ने अपनी बाइक चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पवन कुमार ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि वह अपनी पल्सर बाइक से गौर सिटी की मार्केट में आया था। कुछ समय बाद जब वह लौटा तो उसकी बाइक चोरी हो गई थी। ग्राम मिलक लच्छी निवासी विनय ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि उसने अपनी बाइक 5 अप्रैल को अपने पड़ोसी के घर के सामने खड़ी की थी। अगले दिन सुबह जब वह बाइक लेने पहुंचा तो उसकी बाइक वहां नहीं थी। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और जांच पड़ताल की जा रही है।

महिला के पर्स से लाखों की नगदी व जेवरात चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। अट्टा बाजार में खरीदारी करने गई एक महिला के पर्स से चोरों ने लाखों रुपए के सोने के जेवरात चोरी कर लिए। पीड़िता की शिकायत पर थाना सेक्टर-20 पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

सर्फाबाद गांव निवासी बबीता शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 14 अप्रैल को अपने कुछ गहनों की मरम्मत कराने के लिए अट्टा मार्केट गई थी। जेवरात उसके पर्स में रखे हुए थे। वह विनायक अस्पताल से लेकर सेक्टर 18 मेट्रो स्टेशन के बीच लगने वाली मार्केट में खरीदारी करने लगी। इस दौरान भीड़ का फायदा उठाकर किसी चोर ने उसके पर्स से सोने की दो चैन, सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी, एक जोड़ी कान के टॉप्स, दो लॉकेट चोरी कर लिए। ज्वेलर्स की दुकान पर पहुंचने पर उसे जेवरात चोरी होने की जानकारी हुई। इसके बाद उसने पुलिस को चोरी की सूचना दी। थाना प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। मार्केट में लगे सीसीटीवी कैमरो की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

रंगदारी न देने पर जूस विक्रेता को मारपीट कर जख्मी किया

नोएडा (चेतना मंच)। गन्ने के रस का ठेला लगाने की एवज में पैसे ना देने पर कुछ लोगों ने जूस विक्रेता की लाठी डंडों से पिटाई कर उसे लहूलुहान कर दिया। मारपीट के दौरान जूस विक्रेता का सर फट गया और वह लहू लुहान हो गया। इस संबंध में पीड़ित की बहन ने तीन नामजद व 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ थाना सेक्टर 113 में मुकदमा दर्ज कराया है।

मूल रूप से जहांगीराबाद (बुलंदशहर) निवासी क्षमा रानी ने दर्ज रिपोर्ट में बताया कि उसका भाई नितिन शर्मा पुस्ता रोड पृथला खंजरपुर में रहता है और पास की मार्केट में स्थित शिव मंदिर के सामने गन्ने के रस का ठेला लगाकर अपनी गुजर बसर कर रहा है। बीते 4 अप्रैल की रात को राकेश यादव, पीतम व कुंदन उसके भाई के ठेले पर पहुंचे और पैसे की मांग करने लगे। उसके भाई ने जब पैसे देने से इनकार किया तो राकेश यादव ने गाली गलौज करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दी।

राकेश यादव ने खुद को नोएडा प्राधिकरण का कर्मी बता कर पैसों की मांग की। उसके भाई ने जब पैसे देने से इनकार किया तो राकेश यादव व उसके साथियों ने अपने अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया और नितिन शर्मा पर लाठी, डंडों, रोड व पेचकस से हमला कर उसे घायल कर दिया। झगड़ा होता देखकर आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंच गए। इसके बाद आरोपी नितिन शर्मा को लहूलुहान हालत में छोड़कर धमकी देते हुए फरार हो गए। थाना प्रभारी सर्वेश कुमार ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनकी तलाश कर रही है।

पैसे मांगने पर कर्नल को गाली-गलौज व जान से मारने की धमकी

नोएडा (चेतना मंच)। सेवानिवृत कर्नल द्वारा अपने बकाया पैसे वापस मांगने पर कंपनी मालिक ने अपने साथी के साथ मिलकर गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दी। सेवानिवृत कर्नल ने दो लोगों के खिलाफ थाना सेक्टर 20 में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-29 में रहने वाले देवेंद्र प्रताप ने बताया कि वह सेना से कर्नल के पद से सेवानिवृत हैं। उन्होंने कैलाश पेपर के मालिक कैलाश अग्रवाल से उनकी कंपनी का कागज लेकर नोएडा व नेपाल में बेचा था। इसकी एवज में उनका 208606 रुपए कमिशन बना था। इसके अलावा उन्होंने पेपर खरीदने के लिए कैलाश अग्रवाल को 310624 रुपए का भुगतान चेक से किया था।

भुगतान किए जाने के बावजूद भी उन्हें माल नहीं भेजा गया। इसके बाद वह अपने एक साथी रिटायर्ड कर्नल के साथ कैलाश अग्रवाल से मिलने उनके दफ्तर पहुंचे तो वहां उनके साथ बदसलूकी और धक्कामुक्की की गई और उन्हें कैलाश अग्रवाल से मिलने नहीं दिया गया। इसके बाद वह वापस अपने घर चले आए।

कर्नल देवेंद्र प्रताप के मुताबिक 31 मार्च को कंपनी के वाइस प्रेसिडेंट नरेश सैनी सेक्टर 29 आए और उनके साथ गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान कंपनी मालिक कैलाश अग्रवाल ने भी उनके साथ गाली गलौज की। थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

क्रेडिट कार्ड से ठगों ने निकाली नकदी

नोएडा (चेतना मंच)। क्रेडिट कार्ड के रिवर्स प्वाइंट के पैसे देने का झांसा देकर साइबर ठग ने एक व्यक्ति के क्रेडिट कार्ड से 28269 निकाल लिए। साइबर ठगी का शिकार हुए पीड़ित ने थाना एक्सप्रेसवे में मुकदमा दर्ज कराया है। ग्राम छपरौली में रहने वाले गोविंद सिंह ने पुलिस से की शिकायत में बताया कि बीते 1 अप्रैल को उसके मोबाइल फोन पर एक व्यक्ति ने कॉल की। कॉल करने वाले ने खुद को इंड्सइंड बैंक बैंक का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उसके क्रेडिट कार्ड में रिवर्स पॉइंट है। वह उसे एक लिंक भेज रहा है, उस लिंक पर क्लिक करने पर रिवर्स पॉइंट के पैसे उसके खाते में आ जाएंगे। इसके बाद उसने भेजे गए लिंक पर क्लिक किया तो उसके क्रेडिट कार्ड से 28269 निकल गए। उसने जब उक्त नंबर पर बात करने का प्रयास किया तो वह स्विच ऑफ मिला। उसने इसकी शिकायत साइबर सेल में की।

न्यायालय के स्टे के बाद भी प्लाट पर दबंगों ने किया कब्जा

जेवर। सिविल कोर्ट जेवर के स्टे के बाद भी दबंग किस्म के लोगों ने पीड़ति के खुर्जा रोड़ स्थित प्लाट पर अवैध निर्माण कर लिया न्यायालय का स्टे जेवर कोतवाली पुलिस को दिखाने के बाबजूद भी दबंग भूमाफियाओं के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नही की।

मौहल्ला बनी इसराईल जेवर निवासी धर्म सिंह ने खुर्जा रोड़ जेवर भूमि नम्बर 786 जेवर बांगर में से 106 वर्गगज का प्लाट कई वर्ष पूर्व खरीदा था जिससे पर कस्बे के नामजद दबंगों ने भूमाफियाओं की मदद से आधे अधिक प्लाट पर अवैध निर्माण करने लगे जिसकी शिकायत पीड़ति धर्म सिंह ने पुलिस प्रशासन के अधिकारियों से की मगर कोई सफलता नहीं मिली उसके बाद पीड़ति ने सिविल कोर्ट जेवर का दरवाजा खटखटाया और अपने दस्तावजों के आधार पर अपने पक्ष में स्टे न्यायालय से स्वीकृत करा लिया स्टे होने के बाद भी पुलिस प्रशासन ने पीड़ति की कोई मदद नही की जिसके चलते दबंगों ने पीड़ति के प्लाट पर जबरन अवैध निर्माण कर कब्जा कर लिया।

जबकि न्यायालय ने जेवर कोतवाली पुलिस को अवैध निर्माण को सख्ती से रोकने के आदेश दिये थे मगर दबंगों ने न्यायालय को ठेंगा दिखाते हुए पीड़ति के प्लाट पर अवैध कब्जा कर लिया।

एसीपी जेवर सार्थक सैंगर का कहना है की न्यायालय के आदेश का पालन किया जायेगा अगर प्लाट पर अवैध निर्माण किया है तो जांच के बाद उसे ध्वस्त कराकर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जायेगी।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू. पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एक नक्सली को पुलिस ने ढेर कर दिया है। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों के साथ अलग-अलग मुठभेड़ों में इस साल अब तक 80 नक्सली मारे जा चुके हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि भैरमगढ़ थाना क्षेत्र के केशकुतुल गांव के पास एक जंगल में कई नक्सलियों के होने की सूचना मिली। सुबह करीब साढ़े पांच बजे गोलीबारी शुरु होगी। जब डीआरजी की एक टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। उन्होंने कहा कि रायपुर से लगभग 400 किलोमीटर दूर स्थित केशकुतुल-केशमुंडी जंगलों में नक्सलियों के डिवीजन सप्लाई टीम कमांडर कवासी पंडारू और 15-20 अन्य कैडरों की मौजूदगी की सूचना के आधार पर ऑपरेशन शुरू किया गया था। दोनों ओर से गोलीबारी शुरु हुई जिसमें एक नक्सली को मार गिराया। अधिकारी ने बताया कि गोलीबारी रुकने के बाद घटनास्थल से एक नक्सली का शव, एक हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान अभी भी जारी है। इस मुठभेड़ से पहले सुकमा में दो इनामी समेत तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर किया था। आत्मसमर्पण करने वालों में एक महिला नक्सली भी है जो पूर्व में एसजेडसीएम बारसे देवा की गार्ड रही है। समर्पण करने वालों में एक लाख का इनामी डीएकेएमएस अध्यक्ष कवासी हुंगा, नुप्पो भीमा मिलिशिया डिप्टी कमांडर शामिल है।

शराब घोटाला मामले में ईडी ने छग के पूर्व आईएएस अधिकारी को किया गिरफ्तार

रायपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छत्तीसगढ़ के पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा को गिरफ्तार किया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी देते बताया कि ईडी ने 2003 बैच के अधिकारी को शनिवार को रायपुर में आर्थिक अपराध शाखा और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कार्यालय से हिरासत में ले लिया जहां अधिकारी अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा उसी मामले में अपना बयान दर्ज करने गए थे। सूत्रों ने कहा कि अनिल टुटेजा को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावि?धानों के तहत हिरासत में लिया गया है और उनकी रिमांड की मांग करते हुए कोर्ट के सामने पेश किए जाने की संभावना है। अनिल टुटेजा पिछले साल ही अपने पद से रिटायर्ड हुए थे। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल ही में आयकर विभाग की शिकायत पर आधारित अपनी पिछली एफआईआर को रद्द करने के बाद ईडी ने कथित शराब घोटाला मामले में एक नया मनी लॉन्ड्रिंग मामला दर्ज किया था। ईडी ने आरोप लगाया था कि छत्तीसगढ़ में बेची गई शराब की हर बोतल से अवैध रूप से धन जमा किया गया है और रायपुर मेयर के बड़े भाई के नेतृत्व में शराब सिंडिकेट द्वारा 2,000 करोड़ रुपए के भ्रष्टाचार और धनशोधन के सबूत मिले हैं। इसी के तहत ईडी ने यह कार्रवाई की है।

मणिपुर में 22 अप्रैल को दोबारा होगी वोटिंग

- 11 मतदान केंद्रों पर पड़ेगे वोट

इम्फाल । मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने घोषणा की है कि मणिपुर लोकसभा क्षेत्र के 11 मतदान केंद्रों पर दोबारा वोटिंग की जाएगी। 22 अप्रैल को दोबारा वोटिंग कराई जाएगी। बता दें ?कि निर्वाचन आयोग ने 19 अप्रैल को इन मतदान केंद्रों पर हुई वोटिंग को अमान्य घोषित करने और दोबारा से मतदान कराने को कहा था, इसके बाद ही ये फैसला आया है मणिपुर निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि यहां के खुरई निर्वाचन क्षेत्र के मोइरंगकम्पु साजेब और थोंगम लीकाई, क्षेत्रीगाओ के 4, इंफाल पूर्वी जिले के थोंगजू में 1, उरीपोक में 3 और इंफाल पश्चिम जिले के कोंथौजम में 1 मतदान केंद्रों पर दोबारा से वोट डाले जाएंगे। 19 अप्रैल को हुई वोटिंग के दौरान जातीय संघर्ष के चलते तनाव ग्रसित चल रहे मणिपुर के इन केंद्रों से गोलीबारी, धमकी देने और कुछ बूथों पर ईवीएम में तोड़-फोड़ करने जैसे मामले दर्ज हुए थे। मणिपुर की दो लोकसभा सीट इनर मणिपुर और आउटर मणिपुर के लिए शुक्रवार 19 अप्रैल को लोकसभा के पहले चरण में मतदान हुआ था, इस दौरान 72 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। मणिपुर में वोटिंग के दौरान हुई घटनाओं के मद्देनजर कांग्रेस ने मणिपुर के 47 मतदान केंद्रों पर फिर से वोटिंग कराए जाने की मांग की थी।

भाजपा अकेले ही जीतेगी 350 सीटें, जाने माने अर्थशास्त्री ने लोकसभा चुनाव को लेकर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान हो चुका है। कम मतदान ने राजनीतिक दलों और आयोग को चिंता में डाल दिया है लेकिन, दूसरे चरण में सभी राजनीतिक दल और उनके नेता बंपर वोटिंग की उम्मीद लगाए हुए हैं। इस बीच जाने माने अर्थशास्त्री ने लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा की बड़ी जीत की भविष्यवाणी की है। उन्होंने दावा किया कि इस बार भाजपा को 330 से 350 सीटें मिल सकती है। इतना ही नहीं भाजपा तमिलनाडु जैसे राज्य में 5 सीट हासिल कर सकती है। अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने अपनी नई किताब हाउ वी वोट का विमोचन किया, ने एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा कि भाजपा को इस आम चुनाव में 330 से 350 सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने दावा किया भाजपा अपने दम पर 330 से 350 सीटें जीत सकती है। यहां उन्होंने सिर्फ भाजपा की बात की एनडीए की नहीं। सुरजीत की भविष्यवाणी के मुताबिक 2024 के चुनाव में भाजपा को 5 से 7 फीसदी ज्यादा सीटें मिल सकती हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को 44 सीटें मिल सकती हैं। भल्ला ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के साथ समस्या नेतृत्व की है। यह सच है कि अर्थव्यवस्था सबसे ज्यादा मायने रखती है, लेकिन नेतृत्व भी दूसरे नंबर पर आता है और इन दोनों पक्षों में भाजपा की स्थिति मजबूत है। अगर विपक्ष एक ऐसे नेता का चयन कर लेता जो पीएम मोदी तुलना में आधी भी अपील करता तो हो सकता था कि इस बार का चुनाव रोचक और कड़ा हो सकता था।

भारत में महिलाओं की लाइफ लाइन हुई बेहतर.....68 से 71 हुई उम्र

नई दिल्ली। भारत की आबादी लगातार बढ़ रही है। कुछ समय पहले भारत ने चीन को भी मामले में पछाड़ दिया है। रिपोर्ट्स की मानें हर साल देश की आबादी 1 प्रतिशत बढ़ रही है। अब यूएनएफपीए ने रिपोर्ट जारी की है, जिसमें बताया गया है कि भारत की अब डेढ़ अरब पहुंच गई है। वहीं महिलाओं के लिए अच्छी खबर है। इसमें बताया गया हैं कि महिलाओं की जीवन प्रत्याशा में लगभग साढ़े तीन साल की बढ़ोतरी हुई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 71 साल और महिलाओं की 74 साल है। साल 2020 तक पुरुषों की जीवन प्रत्याशा 67.8 और महिलाओं की 70.4 साल थी। भारत की आबादी 144.17 करोड़ तक पहुंच गई है। जनसंख्या का आंकड़ा अगले 77 सालों में बढ़कर दोगुना होगा। साल 2050 तक भारत में दुनिया के 17 फीसदी बुजुर्ग होंगे। अभी देश में 65 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग 7 प्रतिशत से कम हैं। दुनिया में अनुमानित आबादी के साथ भारत सबसे आगे है, जबकि चीन 142.5 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है। 2011 में पिछली जनगणना में देश की आबादी 121 करोड़ थी। इतना ही नहीं भारत में यौन संबंधों को लेकर भी जागरूकता आई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में अब 30 सालों में प्रजनन स्वास्थ्य बेहतर हुआ है। मातृ मृत्यु (प्रेग्नेंसी के समय मौत) में कमी आई है। दुनिया में ऐसी मौतों में भारत का हिस्सा 8 प्रतिशत है। इसका सारा श्रेय सस्ती, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को दिया जा रहा है। 2006-2023 में भारत में 23 प्रतिशत बाल विवाह भी हुए हैं। वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि 25 प्रतिशत महिलाएं यौन संबंध बनाने से मना नहीं कर पाती है, जबकि 10 में से एक महिला गर्भनिरोधक उपायों के बारे में खुद निर्णय लेने में असमर्थ हैं।

सड़क पर मिला शव

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के जे ब्लॉक में एक व्यक्ति का शव सड़क किनारे पड़ा हुआ मिला। पुलिस मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बीते शाम पुलिस को सूचना मिली कि सेक्टर-63 के सामने सड़क पर एक व्यक्ति मृत पड़ा हुआ है। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिल पाई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाकर आसपास के थाना क्षेत्र की पुलिस को अज्ञात शव मिलने की जानकारी दे दी है। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच पड़ताल में मृतक मानसिक रोगी लग रहा था।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कहा था- भ्रष्टाचार समाज के लिए एक कैंसर है

- सिसोदिया की जमानत पर सीबीआई के वकील ने कोर्ट को बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की एक कोर्ट में चल रहे दिल्ली शराब घोटाला में सीबीआई और ईडी द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में आम आदमी पार्टी (आप) नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला 30 अप्रैल तक के लिए सुरक्षित रख लिया।

सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि आप नेता मनीष सिसोदिया ने जमानत के लिए ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं किया है। सीबीआई ने सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि वह एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं। वे जारी जांच में बाधा डाल सकते हैं। सीबीआई की ओर से पेश वकील पंकज गुप्ता ने कहा कि मनीष सिसोदिया ट्रिपल टेस्ट को पूरा नहीं कर रहे हैं। वह आप में बहुत शक्तिशाली पद पर हैं और दिल्ली सरकार के उपमुख्यमंत्री थे, सीबीआई ने कोर्ट को बताया जिस दिन उन पर केस दर्ज हुआ उसी दिन उन्होंने अपना मोबाइल फोन नष्ट कर दिया था। वह दस्तावेजों को गायब करने में भी शामिल हैं, क्योंकि पुराने कैबिनेट नोट वाली फाइल में से एक अब भी गायब है।

सीबीआई के वकील ने कहा कि सिसोदिया समानता के आधार पर जमानत के लिए योग्य नहीं हैं क्योंकि वह मुख्य आरोपी हैं। वकील ने उन्हें साजिश का मास्टरमाइंड बताते हुए कहा कि यह मनीष सिसोदिया निर्देश पर आधारित था कि अपराध किया गया था। पूरा समुदाय आर्थिक अपराधों का खामियाजा भुगत रहा है। इस दौरान सीबीआई के वकील ने कांग्रेस सरकार के पूर्व पीएम का जिक्र करते हुए कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा था, भ्रष्टाचार समाज के लिए एक कैंसर है। सीबीआई और ईडी का आरोप है कि दिल्ली शराब घोटाले को संशोधित करते समय अनियमितताएं बरती गईं, शराब के लाइसेंस धारकों को अनुचित लाभ दिया गया, लाइसेंस शुल्क माफ कर दिया गया या कम कर दिया गया और सक्षम प्राधिकारी की मंजूरी के बिना लाइसेंस दिए गए। कोर्ट 30 अप्रैल को जमानत पर फैसला सुनाएगी।

कैफे ब्लास्ट मामले में कई खुलासे-पाकिस्तान कनेक्शन भी आ रहा सामने

बेंगलुरु । रामेश्वरम कैफे में हुए ब्लास्ट के मामले में अभी पूरी तरह पर्दाफास नहीं हुआ है। लेकिन जांच एजेंसियों को नए नए आउटपुट मिल रहे हैं। एजेंसियां अब आरोपियों के ऑनलाइन हैंडलर की पहचान करने की कोशिश कर रही हैं, जिसका कोडनेम कर्नल है। अब्दुल मथीन ताहा को इस अटैक का मेन प्लानर और मुसाविर हुसैन शाजिब को हमलावर बताया जा रहा है। अधिकारियों को संदेह है कि कर्नल इन दोनों से संपर्क में था जो 2019-20 में आईएस अल-हिंद मॉड्यूल से जुड़े थे। माना जाता है कि कर्नल दक्षिण भारत में कई युवाओं के संपर्क में था। उसने क्रिप्टो-वॉलेट के जरिए धन भेजा। साथ ही धार्मिक संरचनाओं, हिंदू नेताओं और प्रमुख स्थानों पर हमले के लिए प्रेरित करने का काम किया।सीनियर अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नवंबर 2022 में मंगलुरु ऑटोरिक्शा विस्फोट के बाद कर्नल नाम के हैंडलर के बारे में जानकारी मिली। वह मध्य-पूर्व में कहीं से काम करता है। ऐसा हो सकता है कि वह अबू धाबी में हो। जांच एजेंसियां आईएस समूह के छोटे मॉड्यूल बनाकर आतंकी गतिविधियों में पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई के साथ कर्नल की मिलीभगत से इनकार नहीं कर रही हैं। मालूम हो कि आईएसआई ने पहले भी भारत में आतंकी मॉड्यूल को आईएस के गुर्गों से बढ़ावा देने का काम किया है, जैसे कि अक्टूबर में राजधानी दिल्ली में तीन आईएसआई-स्पॉन्सर्ड आईएस मॉड्यूल सदस्यों की गिरफ्तारी हुई थी।आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने 1 मार्च के विस्फोट का मामला अपने हाथ में लिया था। बम विस्फोट के इस मामले में लगभग 10 लोग बम से घायल हुए थे। दोनों संदिग्धों की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन ताहा के रूप में की गई है। शिवमोग्गा जिले के तीर्थहल्ली का रहने वाला मुसाविर हुसैन शाजिब इस हमले का मास्टरमाइंड है और उसी ने इस धमाके को अंजाम दिया था।

स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो भाजपा आसानी से केंद्र की सत्ता में वापस नहीं आने वाली : मायावती

गाजियाबाद (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने रविवार को इलेक?ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) को लेकर संदेह जाहिर करते हुए दावा किया कि अगर स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव हुए तो इस बार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली। बसपा प्रमुख ने रविवार को अमरोहा में पार्टी उम्मीदवार मुजाहिद हुसैन और गाजियाबाद में नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में अलग-अलग जनसभाओं को संबोधित किया। बसपा प्रमुख ने अमरोहा में भाजपा पर मुसलमानों के उत्पीड़न और गाजियाबाद में पश्चिमी उप्र में क्षत्रियों को टिकट न देकर उनकी उपेक्षा का आरोप लगाया।

मायावती ने कांग्रेस, भाजपा और इनके अन्य सभी सहयोगी दलों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''आजादी के बाद केंद्र और राज्यों में सत्ता ज्यादातर कांग्रेस के हाथों में रहीं, लेकिन अधिकांश मामलों में गलत नीतियों के कारण उसे केंद्र तथा राज्यों की सत्ता से बाहर होना पड़ा।'' भाजपा पर कांग्रेस की राह पर चलने का आरोप लगाते हुए बसपा प्रमुख ने कहा, '' पिछले कई वर्षों से भाजपा और उनके सहयोगी दल केंद्र तथा राज्यों की सत्ता में काबिज हैं लेकिन इनकी जातिवादी, पूंजीवादी, संकीर्ण, सांप्रदायिक, द्वेष पूर्ण नीतियों, कार्यप्रणाली और इनकी कथनी तथा करनी में अंतर होने के कारण लगता है कि इस बार भाजपा केंद्र की सत्ता में आसानी से वापस नहीं आने वाली।''

उन्होंने कहा, '' बशर्ते अगर चुनाव इस बार स्वतंत्र और निष्पक्ष हुए और ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई।'' मायावती ने कहा, '' वैसे भी इस बार चुनाव में इनकी (भाजपा) पुरानी और नयी नाटकबाजी, जुमलेबाजी, गारंटी आदि काम नहीं आने वाले क्योंकि अब देश की जनता इन्हें समझ चुकी है।'' उन्होंने आरोप लगाया, '' इनकी (भाजपा) पार्टी ने देश के गरीब, कमजोर तबकों व अन?य मेहनतकश लोग जिनसे उन्होंने अच्छे दिन दिखाने के वादे किये, उसका एक चौथाई कार्य नहीं किया।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, '' इनका (भाजपा) ज्यादातर समय और ताकत बड़े पूंजीपतियों, धन्नासेठों को धनवान बनाने और उन्हें छूट देने तथा बचाने में लगा।''

मायावती ने दावा किया कि अब ऐसा लगता है कि कांग्रेस पार्टी की तरह भाजपा ने केंद्र की अधिकांश जांच एजेंसियों का ''राजनीतिकरण'' कर दिया है। गाजियाबाद में बसपा उम्मीदवार नंदकिशोर पुंडीर के समर्थन में आयोजित जनसभा में मायावती ने भाजपा पर पश्चिमी उप्र में क्षत्रिय समाज की उपेक्षा का आरोप लगाते हुए कहा कि पश्चिमी उप्र में उच?च जाति के लोग काफी तादाद में रहते हैं लेकिन दुख की बात यह है कि भाजपा व अन्य पार्टियां, जो अपने को क्षत्रिय समाज की हिमायती समझती हैं, उन्होंने इस चुनाव में क्षत्रिय समाज की उपेक्षा की है। मायावती ने कहा कि बसपा ने पश्चिमी उप्र में अन?य समाज के साथ ही क्षत्रिय समाज को पूरा पूरा आदर सम्मान दिया है और टिकट बंटवारे में उनको उचित भागीदारी दी है।

गाजियाबाद के मौजूदा सांसद व केंद्रीय मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) वीके सिंह को टिकट न देकर भाजपा ने उप्र सरकार के पूर्व मंत्री अतुल गर्ग को टिकट दिया है। सिंह, क्षत्रिय समाज से आते हैं। मायावती ने अमरोहा से कांग्रेस के प्रत्याशी एवं 2019 में बसपा के टिकट पर जीते दानिश अली का नाम लिए बिना कहा, ''2019 में बसपा ने अमरोहा सीट से जिसे टिकट दिया, आप लोगों ने उसे जिताकर भेजा। उस व्यक्ति ने सांसद बनने के बाद न ही पार्टी और न ही क्षेत्र की जनता का मान-सम्मान का ध्यान रखा। उन्होंने जनता और पार्टी के साथ विश्वासघात किया।'' बसपा के टिकट पर अमरोहा से जीतने वाले दानिश अली को इस साल जनवरी में पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। अली बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए और कांग्रेस पार्टी के टिकट पर अमरोहा से चुनाव लड़ रहे हैं।

एक सीट के लालच में हमें छोड़ दिया

-उमर अब्दुल्ला डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा पर बरसे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला इंडिया गठबंधन की सहयोगी पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनकी पार्टी अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र में ऐसे मित्र के खिलाफ चुनाव लड़ रही है जो एक सीट के लिए लालची बन गया है। अब्दुल्ला ने पीडीपी के दक्षिण कश्मीर की सीट से चुनाव लड़ने पर यह बात कही।

उन्होंने कहा कि दक्षिण कश्मीर सीट पर लड़ाई भाजपा से नहीं है। दुर्भाग्य से, वहां नेशनल कॉन्फ्रेंस का मुकाबला हमारे एक मित्र से है जो कुछ दिन पहले तक हमारे साथ था। अब एक सीट के लालच में हमें छोड़ दिया। अब्दुल्ला ने श्रीनगर लोकसभा क्षेत्र से पार्टी उम्मीदवार आगा सैयद रुहुल्लाह मेहदी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया। इसके बाद उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा एनसी और पीडीपी विपक्षी इंडिया गठबंधन का हिस्सा हैं। वे पीपुल्स अलायंस फॉर गुपकार डिक्लेरेशन का भी हिस्सा था जिसका गठन अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद किया गया था। एनसी की ओर से पीडीपी के लिए एक भी सीट छोड़े बिना कश्मीर घाटी में सभी 3 निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार उतारने की घोषणा किए जाने के बाद यह गठबंधन टूट गया। पीडीपी ने तीनों सीट पर अपने उम्मीदवार उतारने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि भाजपा घाटी में संसदीय चुनाव सीधे तौर पर नहीं लड़ रही है, बल्कि वह अपनी पार्टी और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस जैसे दलों का समर्थन कर रही है। हम अच्छी तरह से जानते हैं कि भाजपा यहां किसका समर्थन करती है, लेकिन उनके जीतने की कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भगवान ने चाहा तो नेशनल कॉन्फ्रेंस सभी तीन सीट जीतेगी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने एनडीए के 400 पार वाले भाजपा के दावे पर कहा कि नतीजों के बाद सब कुछ साफ हो जाएगा। उन्होंने दावा किया कि लद्दाख सीट उनके हाथ से फिसल रही है। उन्होंने कहा कि कल हुए मतदान के बाद ऐसा लगता है कि वे उधमपुर सीट नहीं बचा पाएंगे। देखते हैं कि जम्मू सीट पर भी क्या होगा।

प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने वाले झामुमो नेता ने मांगी माफी

- एसडीओ कोर्ट ने नजरूल इस्लाम को जारी किया था नोटिस

साहिबगंज (एजेंसी)। पीएम मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता एसडीओ की कोर्ट में पेश होकर लिखित माफीनामा पेश कर माफी मांगी है। पीएम नरेंद्र मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता नजरूल इस्लाम ने कोर्ट में माफी मांग ली है। उन्होंने सदर एसडीओ की कोर्ट में पेश होकर लिखित माफीनामा पेश किया। नजरूल इस्लाम की पीएम पर की गई टिप्पणी के बाद बीडीओ सुबोध कुमार ने आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने सहित अन्य मामलों में साहिबगंज नगर थाने में केस दर्ज कराया था। इसके बाद एसडीओ कोर्ट ने उन्हें नोटिस जारी किया था। नजरूल इस्लाम शनिवार को अपने समर्थकों के साथ थाने पहुंचे और बयान दर्ज कराया। इसके बाद एसडीओ कोर्ट में पेश होकर लिखित में अपना पक्ष रखा। नजरूल इस्लाम झामुमो की केंद्रीय कमेटी का सदस्य हैं। बता दें 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती पर एक कार्यक्रम में नजरुल इस्लाम के भाषण का वीडियो वायरल हो गया था इसके बाद विवाद खड़ा हो गया था। वायरल वीडियो में वह पीएम मोदी के अबकी बार 400 पार के नारे का जिक्र करते हुए नजरुल कहते हैं, मैं आप लोगों से कहना चाहता हूं कि 400 सीट नहीं, 400 फिट अंदर नरेंद्र मोदी को गाड़ दिया जाएगा। नजरूल के इस वीडियो की भाजपा नेताओं ने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। विवाद बढ़ने पर नजरूल इस्लाम ने एक वीडियो जारी कर माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था, मैं एक प्रोफेसर हूं, मुझे अच्छे-बुरे की परख है। यदि मेरे बातों से किसी को ठेस पहुंची है, तो माफी मांगता हूं। मेरा कहने का तात्पर्य था कि हम पीएम मोदी की गारंटी की 400 के अंदर गांठ बांध देंगे।

भाजपा की सुविधा के लिए 1 जून तक कराया जा रहा मतदान: सीएम ममता बनर्जी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग को लपेटे में लिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय चुनाव आयोग ने पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी के लोगों को आराम देने के लिए मतदान की तारीख 1 जून तक रखी है ताकि बीजेपी के लोगों देश के संसाधनों का जमकर उपयोग कर सकें और उन्हें चुनावी प्रचार का पूरा वक्त मिले।मालदा जिले के गाजोल में टीएमसी उम्मीदवार और पूर्व आईपीएस अधिकारी प्रसून बनर्जी के समर्थन में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि 19 अप्रैल से 1 जून तक चुनाव निर्धारित किए गए हैं ताकि मोदी और उनके कैबिनेट सहयोगी विशेष विमानों से यात्रा कर सकें और जमकर प्रचार कर सकें। देश में हर चरण से पहले उन्हें विपक्ष पर हावी होना है।

पश्चिम बंगाल के भाजपा और कांग्रेस सांसदों पर हमला करते हुए, बनर्जी ने आरोप लगाया कि 2019 में राज्य से चुने जाने के बावजूद, उनमें से किसी ने भी मनरेगा धन जारी करने के संबंध में राज्य का मामला नहीं उठाया। उन्होंने कहा , हमारे (टीएमसी) सांसद जब पिछले साल नवंबर में मनरेगा की धनराशि जारी करने की मांग को लेकर दिल्ली गए थे तो उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। लेकिन कांग्रेस और भाजपा सांसदों ने गरीबों के लिए क्या किया है? कुछ भी नहीं। लेकिन, बंगाल भीख नहीं मागेगा। मैं आपकी रॉयल बंगाल टाइगर हूं। हमें जितने अधिक सांसद मिलेंगे, उतना अधिक काम होगा। बनर्जी ने सीपीआई (एम) और कांग्रेस पर भाजपा को बढ़ावा देने का आरोप लगाया और लोगों से किसी भी गैर-टीएमसी उम्मीदवार को वोट नहीं देने का आग्रह किया। मैंने ही इंडिया ब्लॉक का नाम दिया था। लेकिन बंगाल में इंडिया गुट नहीं है। हमारे लिए, यह राज्य के बाहर है, अंदर नहीं। ममता बनर्जी ने आगे कहा, ÷पहले चुनाव मई तक समाप्त हो जाते थे, लेकिन इस साल, इसे 1 जून तक बढ़ा दिया गया है ताकि पीएम मोदी सैन्य विमानों पर विभिन्न स्थानों का दौरा कर सकें। जबकि, दूसरी तरफ हमें हेलीकॉप्टर अपने स्वयं की व्यवस्था से जुटाने करने के लिए कहा जा रहा है। इन हेलीकॉप्टरों को भी भाजपा नेता बुक करा रहे हैं ताकि हमें वो भी न मिल सकें। उन्होंने कहा, लोगों को चिलचिलाती गर्मी से काफी असुविधा हो रही है, लेकिन मोदी इससे बेपरवाह हैं क्योंकि वे (भाजपा नेता) सभी सुविधाओं के साथ चुनाव प्रचार कर रहे हैं।बनर्जी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग मोदी और उनकी पार्टी के सहयोगियों द्वारा तय की गई लाइन पर चल रहा है। बता दें कि 2019 लोकसभा चुनाव में सात चरणों का मतदान 11 अप्रैल से 19 मई तक हुआ था।

पृष्ठ एक के शेष....

मेघदूत पार्क में...

जिसकी वजह से पंडाल में ज्यादा लोग नहीं थे। घटना की सूचना पर तत्काल पुलिस की टीमें वहां पहुंच गई। इस दौरान पुलिस और स्थानीय लोगों ने आग बुझाना शुरू कर दिया। जिसके कुछ देर में दमकल की गाड़ियां भी मौके से पहुंच गईं। दमकल कर्मी पुलिस और स्थानीय लोगों ने खाली पड़े प्लाट में लगी आग को एक घंटे की मशक्कत के बाद पूरी तरह से बुझा दिया गया। आग की घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है।

शर्मनाक : मां की मौत...

लड़की ने बताया कि वह घर से बाहर न निकले इसलिए उसके बाल कटवा दिये गये। थाना मोदीनगर पुलिस ने पीड़ित लड़की की शिकायत पर एफ्आईआर दर्ज कर आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया है और एफ्आईआर में लड़की के ताऊ, चाचा व भाई के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पैसे देने से मना...

उसने जब गाली देने से मना किया तो सोनू ने उसकी लाठी डंडों से पिटाई शुरू कर दी। मारपीट करने के बाद सोनू जान से मारने की धमकी देकर घर से चला गया। पीड़िता के मुताबिक उसका बेटा आए दिन उसके साथ पैसों को लेकर अभद्र व्यवहार करता है। मां की शिकायत पर पुलिस ने कलयुगी बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश कर रही है।

यीडा के बिजली...

गनमैन सतीश तथा गार्ड सचिन ने ड्यूटी पर आना बंद कर दिया राजकुमार त्यागी ने आशंका जताई है कि चारों आरोपियों ने मिलकर तारों के बंडल चोरी कर उन्हें बेच दिया है पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डा. खुर्जा वाले...

दयावती की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर ले जाने की सलाह दी इसके बाद मोनू व प्रमोद दयावती को कासना स्थित काशीराम अस्पताल लेकर आए यहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ओमपाल के मुताबिक डॉ राजकुमार द्वारा दिए गए गलत इंजेक्शन की वजह से उनकी मां की मौत हुई है थाना परिवार ने बताया कि चिकित्सक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

गाजियाबाद के आभूषण...

खत मिला जो उनके पिता को संबोधित था। पत्र में उन्हें धमकी दी गयी है कि अगर दो करोड़ रूपये की फिरौती नहीं दी गयी तो उनके परिवार के सदस्यों को एक-एक कर मार दिया जाएगा। फिरौती की धमकी देने वाले अज्ञात बदमाश ने उन्हें रकम मेट्रो पिलर संख्या 543 मेरठ रोड गाजियाबाद के नीचे रखने के लिए कहा है। धमकी मिलने के बाद से परिवार के सभी सदस्य डरे हुए हैं। पुलिस ने एफ्आईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बहनोई व परिजनों...

मारपीट करने के बाद वह घर से आधार कार्ड पैन कार्ड व अन्य जरूरी दस्तावेजों को भी लेकर चला गया। थाना प्रभारी सर्वेश कुमार ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

श्मशान घाट में...

सर्फाबाद गांव के श्मशान घाट का स्थान बताया। यहां अंतिम संस्कार करने के लिए उसे ऑनलाइन पैसे भी जमा कर लिए गए ऑनलाइन पेमेंट करने के बाद वह अपने पालतू डॉगी को अंतिम संस्कार के लिए सर्फाबाद गांव के श्मशान घाट ले आया। थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों को समझा बुझा दिया गया है पालतू डॉगी को नियमानुसार गड्ढा खोदकर दबा दिया गया है।

कोलकाता ने बेंगलुरु को हराया

सुनील नारायण ने झटके तीन विकेट, कर्ण की तूफानी पारी बेकार

कोलकाता

कोलकाता नाइट राइडर्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच रविवार को आईपीएल सीजन-17 का 36वां मुकाबला खेला गया। इस दौरान रोमांचक मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को एक रन से हराया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने आरसीबी के सामने 223 रनों का लक्ष्य रखा। हालांकि, लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की टीम 221 रन पर सिमट गई।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद मिली हार

कोलकाता नाइट राइडर्स ने रोमांचक मुकाबले में आरसीबी को निर्धारित 20 ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट के नुकसान पर 222 रन बनाए। इस दौरान कोलकाता की तरफ से आंद्रे रसेल ने सर्वाधिक 3 विकेट चटकाए तो वहीं सुनील नारायण और हर्षित राणा ने 2-2 विकेट लिए। वहीं दूसरी तरफ लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत ही खराब गई। विराट कोहली के आउट होने के बाद प्रेशर में आई टीम ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए लक्ष्य की तरफ अग्रसर तो हुई लेकिन विकेट संभालने में नाकाम रही। वहीं मैच के दौरान विराट कोहली की नाराजगी भी देखने को मिली। गौरतलब हो कि पारी की आखिरी गेंद पर जीत के लिए तीन रन चाहिए थे। विल जैक और रजत पाटीदार के बीच शतकीय साझेदारी और आखिरी ओवर में कर्ण शर्मा की आतिशी पारी के बावजूद टीम लक्ष्य को नहीं हासिल कर सकी।

पाटीदार और जैक्स के अर्धशतक पर पानी फिरा

केकेआर के लिए श्रेयस अय्यर ने अर्धशतक लगाया और आखिर में रसेल और रमनदीप सिंह ने ताबड़तोड़ पारी खेलकर आरसीबी के सामने 223 रन का लक्ष्य रखा. लक्ष्य का पीछा करते हुए आरसीबी की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन जैक की 32 गेंदों में 55 और रजत पाटीदार की 52 रनों की पारी ने आरसीबी को बांधे रखा. हालांकि, बीच के ओवरों में आंद्रे रसेल और सुनील नरेन ने नियमित अंतराल पर आरसीबी के विकेट लिए और केकेआर को मैच में वापस ला दिया। आरसीबी के बल्लेबाज तेजी से खेलते रहे, लेकिन टीम दूसरे छोर पर भी विकेट खोती रही.

आखिरी ओवर में जीत को चाहिए थे 21 रन

आखिरी ओवर में आरसीबी को जीत के लिए 21 रन चाहिए थे और आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क गेंदबाजी करने आए। कर्ण शर्मा ने स्टार्क से पहले तीन छक्के लगाए. इसके बाद आरसीबी को दो गेंदों पर तीन रन चाहिए थे, लेकिन स्टार्क ने कर्ण को अपनी ही गेंद पर कैच कर लिया। आखिरी गेंद पर आरसीबी को तीन रन चाहिए थे और स्ट्राइक पर थे लॉकी फर्ग्यूसन। आखिरी गेंद पर उन्होंने अच्छा शॉट लगाया लेकिन दूसरा रन पूरा करते समय रन आउट हो गए। इस तरह केकेआर ने इस रोमांचक मुकाबले में आरसीबी को एक रन से हरा दिया।

कैमरन ग्रीन के करतब के दीवाने हुए कोहली

नई दिल्ली

क्रिकेट के मैदान पर कई हैरतअंगेज कैच देखने को मिलते रहते है। कई बार खिलाड़ी अपनी जान जोखिम में डालकर भी ऐसे कैच लपक लेते है, जिसके बाद उनकी काफी तारीफ की जाती है। इस वक्त आईपीएल का 17वां सीजन खेला जा रहा है, जिसमें ईडन गार्डन में खेले गए 36वें मुकाबले में आरसीबी टीम के प्लेयर कैमरन ग्रीन ने एक ऐसा कैच लपका, जिसने स्टेडियम में बैठे हर दर्शक कहो या फिर टीवी स्क्रीन पर मैच देख रहे हर शख्स को हक्का-बक्का कर दिया। कैमरन ग्रीन ने अपने लंबे कद का पूरा फायदा उठाया और हवा में छलांग लगाते हुए एक हाथ से कमाल किया। उनके कैच का वीडियो अब तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसको देखकर कप्तान फाफ डूप्लेसी और विराट कोहली की खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

दरअसल, आरसीबी की टीम के कप्तान फाफ डूप्लेसी ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। केकेआर की टीम की पहले बैटिंग करते हुए शुरुआत अच्छी रही। फिल साल्ट और सुनील नरेन ने शुरुआत से ताबड़तोड़ बैटिंग की, लेकिन पारी के 5वें ओवर में फिल साल्ट सिराज का शिकार बने। इसके बाद अगले ओवर में सुनील नरेन यश दयाल के जाल में फंसे। इसके बाद उसी ओवर की आखिरी गेंद पर यश दयाल ने अंगकृष रघुवंशी को अपना शिकार बनाया। कैमरन ग्रीन ने रघुवंशी का अविश्वसनीय कैच एक हाथ से लपका। यश दयाल की गेंद पर रघुवंशी ने फ्लिक शॉट खेला और वहां तैनात थे कैमरन ग्रीन ने हवा में छलांग लगाते हुए उनका कैच लपक लिया। कैमरन की जगह शायद कोई और फील्डर होता तो ये कैच नहीं लपक पाता, लेकिन कैमरन ने अपनी लंबी हाइट का पूरा फायदा उठाया और पीछे की ओर भागते हुए ये कैच पकड़ लिया। उनका कैच देख कप्तान फाफ डूप्लेसी और विराट कोहली काफी खुश हुए, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। फैंस इस कैच को कैच ऑफ द टूर्नामेंट कह रहे हैं।

राजस्थान से बदला लेने उतरेगी मुंबई इंडियंस

सैमसन के लिए यशस्वी का फॉर्म चिंता का विषय

जयपुर

आईपीएल 2024 के 38वें मैच में आज मुंबई इंडियंस का सामना अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज राजस्थान रॉयल्स से होगा। पिछले चार मैच में तीन में जीत हासिल कर मुंबई इंडियंस की टीम न केवल उत्साहित है बल्कि सत्र की खराब शुरूआत के बाद अंक तालिका में छठे स्थान पर है। वहीं दूसरी तरफ तूफानी रफ्तार से आगे बढ़ती राजस्थान रॉयल्स अपने इस क्रम को बरकरार रखना चाहेगी। वहीं पांच बार की चैम्पियन मुंबई पिछले मैच में अपने हार का बदला लेने के साथ ही राजस्थान रायल्स के विजय रथ को भी रोकना चाहेगी। लेकिन उसे इसमें कितना सफलता मिलेगी यह तो वक्त बताएगा। यह मैच राजस्थान के होम ग्राउंड सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा। गौरतलब हो कि दोनों ही टीमें अपना पिछला मैच जीतकर आ रही हैं, ऐसे में संजू सैमसन और हार्दिक पांड्या की कोशिश जीत की लय को बरकरार रखने पर होगी।

जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी मुंबई

मुंबई इंडियंस ने अपने पिछले मैच में पंजाब किंग्स को 9 रन से हराया था। इस मुकाबले में सूर्यकुमार यादव ने तूफानी पारी खेली थी। उन्होंने 53 गेंदों पर 78 रन

जड़ दिए थे। सूर्या के अलावा तिलक वर्मा और रोहित शर्मा ने भी महत्वपूर्ण पारी खेली थी। लेकिन टीम के लिए हार्दिक पांड्या की फॉर्म चिंता का विषय है। वहीं राजस्थान के हाथों सीजन के 14वें मैच में शिकस्त खा चुकी मुंबई इस बार हर हाल में जीतना चाहेगी। गौरतलब हो कि सीजन के 14वें मैच में राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 6 विकेट से हराया था। ऐसे में सोमवार को हार्दिक पांड्या के पास पिछली हार का बदला लेने का मौका भी होगा।

टीमें

मुंबई इंडियंस: हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड।

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान), आबिद मुश्ताक, आवेश खान, ध्रुव जुरेल, डोनोवन फरेरा, जोस बटलर, कुलदीप सेन, कुणाल सिंह राठौड़, नंद्रे बर्गर, नवदीप सैनी, रविचंद्रन अश्विन, रियान पराग, संदीप शर्मा, शिमरोन हेटमायर, शुभम दुबे, रोवमैन पॉवेल, टॉम कोहलर-कैडमोर, ट्रेंट बोल्ट, यशस्वी जायसवाल, युजवेंद्र चहल, तनुष कोटियान और केशव महाराज।

मोहम्मद नबी को इस्तेमाल करने की जरूरत

आकाश मधवाल और कप्तान हार्दिक पंड्या अनिरंतर रहे हैं। श्रेयस गोपाल ने अभी तीन मैच खेले हैं और प्रत्येक में एक एक विकेट झटका है। मुंबई इंडियंस को अपने अफगानिस्तान के अनुभवी ऑलराउंडर मोहम्मद नबी के बतौर गेंदबाज अनुभव का इस्तेमाल करने की जरूरत है। बल्लेबाजी में पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का शानदार शतक सुर्खियों में रहा है, लेकिन इसके बावजूद टीम हार गई थी। वहीं ईशान किशन भी निरंतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। हार्दिक ने भी अभी तक प्रभावित नहीं किया है, जबकि तिलक वर्मा ने इन सबकी तुलना में अच्छा किया है।

राजस्थान की गेंदबाजी और बल्लेबाजी में शानदार प्रदर्शन

राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में मुंबई इंडियंस की हालत काफी खराब रही थी, जिसमें ट्रेंट बोल्ट ने उनके तीन शीर्ष क्रम बल्लेबाजों को खाता भी नहीं खेलने दिया था और यह अनुभवी तेज गेंदबाज फिर से उनके लिए बड़ा खतरा होगा। आवेश खान को अंतिम ओवर में गेंदबाजी की जिम्मेदारी दी गई है और उन्होंने इसे बखूबी निभाया है। कुलदीप सेन ने भी अपना कौशल दिखाया है। लेकिन उन्हें अपने इकोनोमी पर काम करने की जरूरत है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल 12 विकेट के साथ राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी विभाग के सबसे महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, हालांकि ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन जूझते दिखे हैं। राजस्थान के लिए रियान पराग उनके सत्र के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स की हार पर मुंबई इंडियंस का पोस्ट वायरल

नई दिल्ली। *आईपीएल सीजन 17 के 35वें मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद ने दिल्ली कैपिटल्स की जमकर धुनाई की। हैदराबाद ने दिल्ली के खिलाफ 266 रनों का विशाल स्कोर बना दिया। इस मैच में एक नहीं, बल्कि कई रिकॉर्ड टूटे हैं। हैदराबाद ने इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ पावरप्ले में 125 रन ठोक दिए। इसके साथ ही स्कोरबोर्ड पर 266 रन टांग दिए। इस मैच के बाद मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स के जले पर नमक लगाने का काम किया है। वहीं हैदराबाद ने इस सीजन में सबसे पहले मुंबई इंडियंस की ही पिटाई की थी। 27 मार्च को मुंबई इंडियंस और हैदराबाद के बीच मैच खेला गया था। इस मैच में एसआरएच ने एमआई के सामने 277 रन ठोक दिए थे। अब जब हैदराबाद ने दिल्ली की भी पिटाई कर दी, तो मुंबई इंडियंस ने दिल्ली को खूब चिढ़ाया है। मुंबई इंडियंस ने दिल्ली को पोस्ट डालकर चिढ़ाया है। दरअसल सोशल मीडिया पर मुंबई इंडियंस के ट्वीटर हैंडल से एक पोस्ट साझा की गई है, जिसमें लिखा गया है आ गया स्वाद। मुंबई इंडियंस के इस पोस्ट को दिल्ली की हार से जोड़कर देखा जा रहा है।*

बलराज की बदौलत भारत को नौकायन में मिला पहला पेरिस ओलंपिक कोटा

नई दिल्ली। *पुरुष एकल स्केल में शीर्ष पांच नौकाचालक ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करते हैं। पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स में देश क्वालीफाई नहीं कर सका। भारत ने पिछले तोक्यो ओलंपिक में इस स्पर्धा में हिस्सा लिया था। बलराज पंवार ने रविवार को दक्षिण कोरिया के चुंग्जू में 2024 विश्व एशियाई और ओसनियाई ओलंपिक एवं पैरालंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में पुरुष एकल स्कल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहकर भारत को नौकायन में पहला पेरिस ओलंपिक कोटा दिलाया। भारतीय सेना के 25 वर्षीय पंवार पिछले साल चीन के हांग्झोउ में अपने पहले एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गये थे। उन्होंने 7:01.27 मिनट का समय निकालकर 2000 मीटर रेस में तीसरा स्थान हासिल कर ओलंपिक कोटा प्राप्त किया। पुरुष एकल स्कल में शीर्ष पांच नौकाचालक ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करते हैं। पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल्स में देश क्वालीफाई नहीं कर सका। भारत ने पिछले तोक्यो ओलंपिक में इस स्पर्धा में हिस्सा लिया था। उज्जवल कुमार और अरविंद सिंह की भारतीय जोड़ी तीसरे स्थान पर रही जबकि इसमें शीर्ष दो जोड़ी कोटा हासिल करती हैं।*

धीमी शुरूआत के बाद दबदबा बनाया

भारत इस तरह 26 जुलाई से शुरू होने वाले ओलंपिक में नौकायन में एक ही स्पर्धा में हिस्सा लेगा। अर्जुन लाल और अरविंद सिंह ने तोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की लाइटवेट डबल स्कल में भारत का प्रतिनिधित्व किया था और वे 11वें स्थान पर रहे थे। एशियाई क्वालीफायर भी एशियाई रोइंग कप के साथ ही कराये जा रहे हैं।

250वां मैच खेलते ही दिनेश कार्तिक ने रचा इतिहास

कोलकाता। *आईपीएल 2024 के 36वें मैच में रविवार को कोलकाता नाइटराइडर्स का सामना रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से हुआ। इस दौरान कोलकाता के ईडन गार्डन में खेले गए मुकाबले में आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने इतिहास रच दिया। यह उनके आईपीएल करियर का 250वां मैच है। इसके साथ ही कार्तिक आईपीएल में 250 मैच खेलन वाले संयुक्त रूप से दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनके अलावा रोहित शर्मा ने भी लीग में 250 मैच खेले हैं। इस लिस्ट में टॉप पर महेंद्र सिंह धोनी हैं। धोनी ने आईपीएल में अब तक 257 मैच खेले हैं। गौरतलब हो कि आईपीएल में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों में महेंद्र सिंह धोनी शीर्ष पर हैं। वहीं इस सूची में अब दूसरे नंबर पर दिनेश कार्तिक पहुंच गए हैं जबकि तीसरे स्थान पर विराट कोहली, चौथे पर रवींद्र जडेजा, 5वें पर शिखर धवन, छठे पर सुरेश रैना और रॉबिन उथप्पा, 7वें पर अंबाती रायडू, 8वें पर रविचंद्रन अश्विन, 9वें पर कीरोन पोलार्ड और 10वें पर पीयूष चावला हैं।*

शानदार फॉर्म में कार्तिक

IPL 2024 में आज से पहले तक दिनेश कार्तिक के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 6 मुकाबलों में 226 रन बनाए हैं। इस दौरान उनकी औसत 75.33 की और इकॉनमी 205.45 की रही है। 17वें सीजन में वह अब तक 2 फिफ्टी भी लगा चुके हैं। कार्तिक के प्रदर्शन को देखते हुए कयास लगाए जा रहे हैं कि उन्हें टी20 विश्व कप 2024 के लिए भारतीय स्क्वॉड में जगह मिल सकती है।

शीर्ष के खिलाड़ियों की सूची

महेंद्र सिंह धोनी : 257 मैच
दिनेश कार्तिक : 250 मैच
रोहित शर्मा : 250 मैच
विराट कोहली : 245 मैच
रवींद्र जडेजा : 233 मैच
शिखर धवन : 222 मैच
सुरेश रैना : 205 मैच
रॉबिन उथप्पा : 205 मैच
अंबाती रायडू : 204 मैच
रविचंद्रन अश्विन : 203 मैच
कीरोन पोलार्ड : 189 मैच
पीयूष चावला : 185 मैच

चोट के चलते पूरी टी-20 सीरीज से बल्लेबाज आजम खान हुए बाहर

नई दिल्ली। *पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी-20 सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज का पहला मैच बारिश की वजह से रद्द किया गया था। पहले टी-20 मैच में सिर्फ दो गेंद खेली गई थी और लगातार बारिश की वजह से मैच बेनतीजा रहा। इस बीच तीसरे टी-20 मैच से पहले पाकिस्तान के विकेटकीपर बल्लेबाज आजम खान दाहिनी पिंडली की मांसपेशियों में ग्रेड वन की चोट के कारण पूरी टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। आजम खान ने इस सीरीज का पहला और दूसरा टी-20 मैच भी नहीं खेला। मेडिकल रिपोर्ट्स के अनुसार ये जानकारी मिली की डॉक्टर ने उन्हें कम से कम 10 दिन आराम करने की सलाह दी है। दरअसल, पीसीबी ने एक रिलीज जारी करते हुए आजम खान की चोट को लेकर अपडेट दिया। बयान में कहा गया है कि आजम खान की चोट के बारे में उस समय पता चला जब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टी20 से पहले ट्रेनिंग कर रहे थे। आजम अब पाकिस्तान टीम को छोड़कर लाहौर में एनसीए जाएंगे। आजम को पैर में चोट लगी है और वह पीसीबी के डॉक्टर्स की निगरानी में रहेंगे। अगर बात करें 25 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज आदम खान की तो बता दें कि उन्होंने पाकिस्तान के लिए अभी तक 8टी20 मैच खेले हैं।*

12 गेंद पर 46 रन की पारी खेलकर भी डरे हैं अभिषेक

नई दिल्ली। *दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने 12 गेंद पर ताबड़तोड़ 46 रन बनाए थे। इसके बावजूद अभिषेक शर्मा डरे हुए दिखे। मैच के बाद उन्होंने खुद इसका खुलासा किया। अभिषेक ने आईपीएल के इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किए गए वीडियो में अपने डर का खुलासा किया। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड इस सीजन दमदार बल्लेबाजी कर रहे है। पहली बार एक साथ खेलते हुए, अभिषेक और हेड ने एसआरएच के लिए ओपनिंग जोड़ी के रूप में रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बना डाले हैं। शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ मैच के दौरान, इस जोड़ी ने आईपीएल में अब तक का सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर बना दिया है।*

अभिषेक और हेड की जोड़ी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

अभिषेक ने 12 गेंद में 46 रन बनाए, जबकि हेड 32 गेंद में 89 रन बनाकर आउट हुए। अभिषेक पावरप्ले के ठीक बाद कुलदीप यादव ने शॉर्ट एक्स्ट्रा कवर पर अक्षर पटेल का तेज कैच लपककर आउट कर दिया। मैच के बाद बातचीत में, अभिषेक ने खुलासा किया कि उनके गुरु महान युवराज सिंह, उनसे खुश नहीं होंगे। इस सीजन में सिर्फ एक अर्धशतक लगाने वाले अभिषेक ने यह भी कहा कि युवराज चाहते हैं कि वह लंबे समय तक बल्लेबाजी करें। अभिषेक ने कहा, अंत में मैं कहूंगा कि वह काफी परेशान होंगे, लेकिन कुल मिलाकर मुझे लगता है कि वह खुश होंगे। वह हमेशा चाहते हैं कि मैं लंबे समय तक बल्लेबाजी करूं।

सेलेक्टर्स पर भुवनेश्वर ने कसा तंज

नई दिल्ली। *आईपीएल 2024 में बीते शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेले गए रोमांचक मुकाबले में आरसीबी ने 67 रनों से जीता। इस मैच में एक बार फिर से*

सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से ताबड़तोड़ बल्लेबाजी देखने को मिली। हैदराबाद ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 266 रन बनाए थे। जिसके बाद दिल्ली कैपिटल्स की टीम 199 रनों पर ढेर हो गई थी। इस मैच में हैदराबाद की तरफ से भुवनेश्वर कुमार ने भले ही एक विकेट हासिल किया हो लेकिन उन्होंने गेंदबाजी काफी कमाल की थी। मैच खत्म होने के बाद बोलते हुए भुवनेश्वर कुमार का सेलेक्टर्स और कप्तान पर गुस्सा फूटता हुआ दिखा।

आईपीएल में बनते बड़े स्कोर को देख बोले गावस्कर

बार-बार हाई स्कोर बनाना सही नहीं

नई दिल्ली

आईपीएल के 17वें सीजन को ट्रेंड सेटर सीजन कहा जा रहा है। इस सीजन खेले जा रहे हर मुकाबले में एक से एक रिकॉर्ड बनाए जा रहे हैं। इस सीजन टीमों का प्रदर्शन देखकर ऐसा लग रहा है कि 250 का विशाल स्कोर हलुआ खाने जैसा हो गया है। 250 प्लस स्कोर को सबसे सुरक्षित स्कोर माना जाता था, उसे भेद पाना लगभग असंभव हुआ करता था। लेकिन इस सीजन के हाफ तक ही 5 बार 250 प्लस स्कोर बना दिए गए हैं। इसको लेकर पूर्व दिग्गज खिलाड़ी ने चिंता जाहिर की है। पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर ने इस पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार हाई स्कोर बनाना सही नहीं है।

बता दें कि इस सीजन सिर्फ सनराइजर्स हैदराबाद ने ही अभी तक 3 बार 250 प्लस स्कोर कर दिए हैं। इसको लेकर पूर्व दिग्गज ने कहा कि फैंस को अधिक रोमांचित करने के लिए बार-बार हाई स्कोर बनना सही नहीं है। इसलिए नियमों में बदलाव की जरूरत है। उन्होंने मांग की है कि बार-बार हाई स्कोर बनने से रोकने के लिए बाउंड्री को 3-4 मीटर बढ़ाने की जरूरत है। इससे हाई स्कोर पर कंट्रोल होगा। इस सीजन कुछ अजूबा देखने को मिल रहा है। दिल्ली के खिलाफ सनराइजर्स हैदराबाद ने सिर्फ पावरप्ले में 125 रन ठोक दिए थे।

दिल्ली के खिलाफ आया हैदराबाद का तूफान

आईपीएल 2024 के 35वें मैच से पहले यह लगभग असंभव माना जा रहा था कि कोई टीम पावरप्ले में 125 रन बना देगी, लेकिन दिल्ली के खिलाफ हैदराबाद ने इसे संभव कर दिया है। हैदराबाद के दोनों ओपनर बल्लेबाज ट्रेविस हेड और अभिषेक शर्मा ने इस असंभव काम को कर दिखाया है। इस मैच में हेड ने 32 गेंदों में 89 रनों की पारी खेली, जिसमें उनके बल्ले से 11 चौके और 6 छक्के निकले थे। दूसरी ओर अभिषेक शर्मा ने भी 12 गेंदों में 46 रनों की पारी खेली, इस दौरान उनके बल्ले से 2 चौके और 6 छक्के निकले थे। दिल्ली 267 रनों के विशाल लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकी और 67 रनों से मैच गंवा दिया।

घर पर हनुमान जी की निष्ठा के साथ करेंगे पूजा तो मिलेगा विशेष आशीर्वाद

23 अप्रैल 2024 मंगलवार को हनुमान जयंती मनाई जाएगी। इस दिन मंदिर और घरों में विशेष पूजा अर्चना होगी। यदि आप घर पर ही हनुमानजी की पूजा करने जा रहे हैं तो इस विधि से पूजा करेंगे तो आपको विशेष लाभ होगा और हनुमानजी प्रसन्न होकर आशीर्वाद के साथ ही आपकी मनोकामना पूर्ण करेंगे।

23 अप्रैल 2024 मंगलवार को हनुमान जयंती मनाई जाएगी। इस दिन मंदिर और घरों में विशेष पूजा अर्चना होगी। यदि आप घर पर ही हनुमानजी की पूजा करने जा रहे हैं तो इस विधि से पूजा करेंगे तो आपको विशेष लाभ होगा और हनुमानजी प्रसन्न होकर आशीर्वाद के साथ ही आपकी मनोकामना पूर्ण करेंगे।

पूजा का क्रम

शुद्धिकरण, आचमन, शिखा बंधन, प्राणायाम, न्यास, पृथ्वी पूजा, पंचदेव पूजा, आवाहन, आसन, स्नान, गंध, पुष्प, माला, धूप, दीप अर्पण, नैवेद्य एवं प्रसाद अर्पण, पुन. आचमन, अक्षत, कुमकुम और चंदन अर्पण, अंत में आरती और प्रसाद वितरण।

हनुमान पूजा विधि

- सूर्योदय पूर्व उठकर स्नान आदि से निवृत्त होकर लाल वस्त्र पहनें।
- पूजा स्थल को पवित्र करें और पूजा सामग्री को एक थाल में पूजा स्थल पर रखें।
- पूजा स्थल पर एक लकड़ी का पड़ा पाट लगाएं और उसके उपर लाल या सफेद वस्त्र बिछाएं।
- पूजा स्थल के उत्तर दिशा में पंचदेवों की स्थापना और कलश स्थापना करें।
- इसके बाद मध्य में हनुमानजी की तस्वीर या मूर्ति को पाट पर विराजमान करें।
- उनकी तस्वीर या मूर्ति पर जल छिड़कर कर पवित्र करें। साफ वस्त्र से उन्हें पोछ दें।
- उन्हें सुंदर वस्त्र पहनाएं।
- घी का दीप प्रज्वलित करें और अगरबत्ती जलाएं।
- इसके बाद उनका आवाहन करें।
- इसके बाद उन्हें माला पहनाएं।
- माला पहनाने के बाद उनके चरणों में फूल अर्पित करें।
- इसके बाद उनकी पूजा करें। यानी उन्हें सिंदूर, चंदन और चमेली का तेल लगाएं।
- साथ साथ ही पंचदेवों की पूजा भी करें।
- इसके बाद उनका मनपसंद नैवेद्य अर्पित करें। पंचामृत अर्पित करें।
- इसके बाद उनकी विधिवत आरती उतारें।
- हनुमान चालीसा और सुंदरकाण्ड का पाठ करें।
- अंत में अपने घर पर हनुमान जी की ध्वजा का आरोहण करें।

हनुमान जन्मोत्सव पर गलतियों से बचें

हिंदू धर्म में हनुमान जन्मोत्सव के दिन बजरंगबली की पूजा-आराधना का बड़ा महत्व है। मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से हनुमानजी की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं और जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। इस दिन भक्त हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए व्रत भी रखते हैं। हनुमान जन्मोत्सव के दिन व्रत और पूजन के साथ कुछ खास बातों का ध्यान रखना चाहिए।

हनुमान जन्मोत्सव का शुभ मुहूर्त:
दृक पंचांग के अनुसार, इस साल हनुमान जन्मोत्सव का आरंभ 23 अप्रैल को सुबह 3 बजकर 25 मिनट पर होगा और 24 अप्रैल 2024 को सुबह 5 बजकर 18 मिनट पर इसका समापन होगा। इसलिए उदयातिथि के अनुसार, 23 अप्रैल दिन मंगलवार को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा।

इन बातों का रखें ध्यान

हनुमान जन्मोत्सव के दिन भूलकर भी मांस-मदिरा का सेवन नहीं करना चाहिए।

इस दिन हनुमानजी की टूटी हुी प्रतिमा या तस्वीर की पूजा नहीं करनी चाहिए। इससे तुरंत पवित्र नदी में प्रवाहित कर दें।

हनुमान जी की पूजा करने के लिए हमेशा लाल, नारंगी और पीले रंग के वस्त्र धारण करना चाहिए। इस दिन सफेद और काले रंग के कपड़े नहीं पहनना चाहिए।

हनुमान जी चरणामृत का भोग नहीं लगाना चाहिए। इस दिन बजरंगबली को चने की दाल, बूंदी का लड्डू, इमरती का भोग लगाना शुभ माना गया है।

हनुमान जन्मोत्सव के दिन व्रत रखने पर फलाहारी भोजन करना चाहिए। लेकिन इस दिन नमक या सेंधा नमक का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसे शुरु हुआ सूर्यवंश, कौन-सी पीढ़ी में हुआ था भगवान श्रीराम का जन्म?

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक थे ऋषि मरीचि। ये सप्तऋषियों में से भी एक हैं। इनके पुत्र हुए ऋषि कश्यप। इनकी 17 पत्नियां थी। इन 17 पत्नियों से देव, असुर, पशु-पक्षी, गंर्धव, किन्नर, यक्ष आदि की उत्पत्ति हुई। इनकी पत्नी अदिति से विवस्वान नामक पुत्र हुए, यही सूर्यदेव कहलाए। इन्हीं से सूर्यवंश की शुरूआत हुई।

अनेक धर्म ग्रंथों में भगवान श्रीराम को सूर्यवंशी कहा गया है, यानी सूर्य के वंश में जन्म लेने वाला। सूर्य वंश की शुरूआत कैसे हुई। सूर्य के बाद इन वंश में कौन-कौन से महान राजा हुए और सूर्य वंश की किस पीढ़ी में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ।

वाल्मीकि रामायण के अनुसार, भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्रों में से एक थे ऋषि मरीचि। ये सप्तऋषियों में से भी एक हैं। इनके पुत्र हुए ऋषि कश्यप। इनकी 17 पत्नियां थी। इन 17 पत्नियों से देव, असुर, पशु-पक्षी, गंर्धव, किन्नर, यक्ष आदि की उत्पत्ति हुई। इनकी पत्नी अदिति से विवस्वान नामक पुत्र हुए, यही सूर्यदेव कहलाए। इन्हीं से सूर्यवंश की शुरूआत हुई।

राजा मनु से आगे बढ़ा सूर्य वंश

सूर्य देव के मनु नामक पुत्र हुए। इन्हीं से मनुष्यों की उत्पत्ति हुई। मनु के पुत्र हुए इक्ष्वाकु। इनके नाम से सूर्य वंश को इक्ष्वाकु वंश भी कहा जाने लगा। इस वंश में आगे जाकर राजा विकुक्षी, हरिशचंद्र और पृथु जैसे महान राजा हुए। पृथु के पालन-पोषण करे से ही ये धरती पृथ्वी कहलाई। राजा पृथु को भी भगवान विष्णु की ही अवतार माना जाता है।

फिर आए परम प्रतापी राजा रघु

सूर्य वंश में आगे जाकर परम प्रतापी राजा रघु पैदा हुए। अब सूर्य वंश को रघु वंश के नाम से जाना जाने लगा। इन्हीं के नाम से भगवान श्रीराम को रघुवर, रघुवीर और रघुवंशी भी कहा जाता है। बाद में इस वंश में राजा सगर, दिलीप, अंशुमान, असमंजस, भगीरथ आदि राजा हुए। राजा भगीरथ ही गंगा को धरती पर लेकर आए।

66 वीं पीढ़ी में हुआ भगवान राम का जन्म

ऋषि कश्यप से यदि शुरू करें तो सूर्य वंश की 66वीं पीढ़ी में भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। श्रीराम के पिता राजा दशरथ थे। इनकी पत्नी कौशल्या के गर्भ से भगवान विष्णु ने राम के रूप में अवतार लिया था। श्रीराम भगवान विष्णु के सातवें अवतार थे। इनका जन्म चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर दोपहर 12 बजे अभिजीत मुहूर्त में हुआ था।

सूर्यवंश की पूरी डिटेल

1. ऋषि कश्यप, 2. सूर्य, 3. मनु, 4. इक्ष्वाकु, 5. विकुक्षी, 6. ककुत्स्थ, 7. अनेनस, 8. पृथु, 9. विश्वरास्व, 10. आर्द्रा, 11. युवनाष्व (प्रथम), 12. श्रावस्त, 13. वृहष्व, 14. कुलष्व, 15. दृघाष्व, 16. प्रमोद, 17. हर्यष्व (प्रथम), 18. निकुंभ, 19. सहंताष्व, 20. अकृषाष्व, 21. प्रसेनजित, 22. युवनाष्व, 23. मान्धाता, 24. पुरुकुत्स, 25. त्रसदस्यु, 26. संभूत, 27. अनरण्य, 28. त्राशदस्व, 29. हर्यस्व (द्वितीय), 30. वसुमाता, 31. तृधन्वन, 32. त्रैयारुण, 33. त्रिशंकु, 34. सत्यव्रत, 35. हरिश्चंद्र, 36. रोहित, 37. हरित, 38. विजय, 39. रुरूक, 40. वृक, 41. बाहु, 42. सगर, 43. असमंज, 44. अंशुमान, 45. दिलीप (प्रथम), 46. भगीरथ, 47. श्रुत, 48. नाभाग, 49. अंबरीश, 50. सिंधुद्वीप, 51. अयुतायुस, 52. ऋतुपर्ण, 53. सर्वकाम, 54. सुदास, 55. मित्राशा, 56. अस्मक, 57. मूलक, 58. सतरथ, 59. अदिविद, 60. विश्वसह, 61. दिलीप, 62. दीर्घबाहु, 63. रघु, 64. अज, 65. दशरथ, 66. राम।

कल चैत्र पूर्णिमा पर व्रत के साथ करें मां लक्ष्मी की आरती

चैत्र महीने की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 23 अप्रैल को सुबह 03.25 मिनट से होगी और इसके अगले दिन यानी 24 अप्रैल को सुबह 05.18 मिनट पर तिथि का समापन होगा। उदया तिथि अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा 23 अप्रैल को मनायी जाएगी। मान्यता है चैत्र पूर्णिमा पर पूरी श्रद्धा भाव के साथ भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है।

चैत्र पूर्णिमा का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन विष्णु भगवान, माँ लक्ष्मी और चंद्र देव की पूजा करने का विधान है। हर महीने में एक बार पूर्णिमा की तिथि पड़ती है। मान्यता है चैत्र पूर्णिमा पर पूरी श्रद्धा भाव के साथ भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की आराधना करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है। आइए जानते हैं चैत्र पूर्णिमा का शुभ मुहूर्त, पूजा की विधि, मंत्र, आरती, महत्व और चंद्र दर्शन टाइम-

चैत्र महीने की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 23 अप्रैल को सुबह 03.25 मिनट से होगी और इसके अगले दिन यानी 24 अप्रैल को सुबह 05.18 मिनट पर तिथि का समापन होगा। उदया तिथि अधिक महत्वपूर्ण मानी जाती है। ऐसे में उदया तिथि के अनुसार, चैत्र पूर्णिमा 23 अप्रैल को मनायी जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त-11.53 ए एम से 12.46 पी एम
चन्द्रोदय- 06.25 पी एम, 23 अप्रैल

चैत्र पूर्णिमा पूजा-विधि

- पवित्र नदी में स्नान करें या पानी में गंगाजल मिलकर स्नान करें
- भगवान श्री हरि विष्णु और माँ लक्ष्मी का जलाभिषेक करें
- माता का पंचामृत सहित गंगाजल से अभिषेक करें
- अब माँ लक्ष्मी को लाल चंदन, लाल रंग के फूल और श्रृंगार का सामान अर्पित करें
- मंदिर में घी का दीपक प्रज्वलित करें
- संभव हो तो व्रत रखें और व्रत लेने का संकल्प करें
- चैत्र पूर्णिमा की व्रत कथा का पाठ करें
- श्री लक्ष्मी सूक्तम का पाठ करें
- पूरी श्रद्धा के साथ भगवान श्री हरि विष्णु और लक्ष्मी जी की आरती करें
- माता को खीर का भोग लगाएं
- चंद्रोदय के समय चंद्रमा को अर्घ्य दें
- अंत में क्षमा प्रार्थना करें

मंत्र- ऊँ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊँ महालक्ष्मी नमः

गंगा स्नान का महत्व

चैत्र पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान स्नान और दान करने का खास महत्व है। मान्यता है कि इस अवसर पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु गंगाजल में निवास करते हैं। इसी कारण चैत्र पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान करने से साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही चैत्र पूर्णिमा के दिन चंद्र देव और धन की देवी मां लक्ष्मी की विधिपूर्वक पूजा और व्रत करने का विधान है। इसलिए चैत्र पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान किया जाता है।

घर में दक्षिण दिशा में लगाएं हनुमानजी की तस्वीर

इस साल 25 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव मनाया जाएगा। इस खास मौके पर अगर आप भी घर में हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित करने जा रहे हैं। तो वास्तु से जुड़ी कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें। मान्यता है कि घर में वास्तु के अनुसार ही देवी-देवताओं की प्रतिमा स्थापित करने से पूजा का संपूर्ण फल मिलता है। पूजा स्थल पर वास्तु दोष होने से व्यक्ति को जीवन में कई दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। आइए जानते हैं हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर हनुमानजी को प्रसन्न करने के लिए किस दिशा में उनकी प्रतिमा को रखना शुभ होगा?

हनुमानजी की प्रतिमा से जुड़े वास्तु

- वास्तु के अनुसार, हनुमानजी की प्रतिमा या तस्वीर को दक्षिण दिशा में स्थापित करना चाहिए। इस दिशा में फोटो लगाते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हनुमानजी बैठे हुए अवस्था में हों। मान्यताहै कि ऐसा करने से घर की सभी नकारात्मक शक्तियां दूर होती हैं।
- वास्तु के मुताबिक, बेडरूम में हनुमानजी की प्रतिमा रखना शुभ नहीं होता है। इससे वास्तुदोष उत्पन्न हो सकता है।
- वास्तु के नियम के अनुसार, हनुमान जी की तस्वीर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए। रोजाना उनकी पूजा करनी चाहिए और मंगलवार के दिन सुंदरकांड का पाठ करना चाहिए।
- इसके अलावा बुरी शक्तियों से छुटकारा पाने के लिए घर की दक्षिणा दिशा की दीवार पर लाल रंग की बैठी हुई मुद्रा में हनुमान जी की तस्वीर लगा सकते हैं।
- वास्तु के अनुसार, हनुमान जी फोटो या मूर्ति सीढ़ियों के नीचे और रसोईघर में लगाने से बचना चाहिए।
- वास्तु के नियमों के मुताबिक, घर-परिवार में शत्रु, गृह-क्लेश, रिश्तों में मनमुटाव और नेगेटिविटी से बचने के लिए पंचमुखी हनुमानजी की प्रतिमा स्थापित करना चाहिए। मान्यता है कि मुख्यद्वार के ऊपर पंचमुखी हनुमानजी की तस्वीर लगाने से नेगेटिव एनर्जी घर से दूर रहती है।
- घर के ड्राइंग रूम में श्रीराम दरबार की प्रतिमा लगा सकते हैं। इसलिए अलावा इस रूम में पंचमुखी हनुमान जी और पर्वत उठाते हुए हनुमान जी की तस्वीर भी लगा सकते हैं।
- मान्यता है कि नौकरी-कारोबार में तरक्की हेतु घर में हनुमान जी की ऐसी तस्वीर लगाना चाहिए, जिसमें उनके शरीर पर सफेद बाल हैं।

भारत का वो मंदिर जिसे एक रात में भूतों ने कर दिया था खड़ा

दिलचस्प है ककनमठ मंदिर की कहानी

विभिन्न धर्मों का संगम कही जाने वाले धरती पर एक से बढ़कर एक कलात्मक मंदिर हैं। इनकी सुंदरता का कोई तोड़ नहीं हैं। हजारों साल पुराने मंदिरों की खूबसूरती को देखकर भात के विशाल इतिहास का अंदाजा लगाया जा सकता है। पौराणिक कथाओं में हमने मंदिरों के रहस्यों के बारे में सुना है। कई रहस्यों को तो विज्ञान सुलझा देता है, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं, जिनके बारे में कोई कुछ नहीं जानता, बस यकीन किया जा सकता है।

कई लोगों का मानना है कि ककनमठ मंदिर का निर्माण 11वीं शताब्दी में हुआ था। बताया जाता है कि उस समय इसे कछवाहा वंश के राजा कीर्ति ने अपनी पत्नी के लिए बनवाया था। कई लोग तो यह भी मानते हैं कि राजा कीर्ति की पत्नी ककनावती भगवान शिव की बड़ी भक्त थी। आसपास कोई शिव मंदिर न होने के कारण उन्हें यहां शिव मंदिर बनवाना पड़ा। हालांकि, आज मंदिर थोड़ी खंडहर

आज हम आपको भारत के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जो रहस्यों से भरा है। हम बात कर रहे हैं ककनमठ मंदिर की। यह मंदिर भले ही दुनिया के 7 अजूबों में शुमार न हो, लेकिन ये एक ऐसा मंदिर है, जिसके बारे में जानने के बाद हर कोई इसे देखना चाहता है। इसे भूतों का मंदिर भी कहते हैं। तो आइए जानते हैं इस मंदिरों से जुड़े दिलचस्प बातों के बारे में।

ककनमठ मंदिर का इतिहास-

इस रहस्यमयी मंदिर का इतिहास बहुत दिलचस्प है। अवस्था में है। इस मंदिर में आपको मूर्तियां नजर आएंगी, लेकिन टूटी हालत में। जर्जर हो चुकी इन मूर्तियों के अवशेष ग्वालियर के एक संग्रहालय में संग्रहित किए गए हैं। अच्छी बात तो यह है कि इस अवस्था में होने के बाद भी यहां लोग दर्शन के लिए आते हैं। इस मंदिर को देखने पर ऐसा लगता है कि बस ये गिरने वाला है। लेकिन हजारों वर्षों से मंदिर वैसा ही खड़ा है। कई वैज्ञानिक इस मंदिर का निरीक्षण कर चुके हैं, लेकिन पता नहीं चल पाया है कि आखिर इस मंदिर का निर्माण हुआ कैसे। आपको बता दें कि मंदिर मध्य प्रदेश का अजूबा कहलाता है।

लेखा संग अपने रिश्ते पर बोले इमरान

बॉलीवुड अभिनेता इमरान खान काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर है। उनके चाहने वाले उन्हें बड़े पर्दे पर देखने के लिए तरस गए हैं। अभिनेता अपनी प्रोफेशनल लाइफ के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी चर्चा में रहते हैं। इमरान अभिनेत्री लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। अब काफी दिनों के बाद अभिनेता ने अपने निजी रिश्ते पर खुलकर बात की है।

इमरान ने हाल ही में पुष्टि की है कि वह अभिनेत्री लेखा वाशिंगटन को डेट कर रहे हैं। इसके साथ ही अभिनेता उनके साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है और बताया है कि एक कलाकार को डेट करना कैसा होता है। अपने हालिया साक्षात्कार में, अभिनेता ने खुलासा किया कि चूंकि वे दोनों फिल्म इंडस्ट्री से हैं, इसलिए उनकी बातचीत ज्यादातर फिल्मों के इर्द-गिर्द घूमती है। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि एक ही इंडस्ट्री से आने वाले व्यक्ति के साथ रहने के अपने नुकसान हैं क्योंकि एक समय के बाद यह थका देने वाला हो जाता है क्योंकि बात करने के लिए और कुछ नहीं होता है।

इमरान ने स्वीकार किया कि जब दो कलाकार एक रिश्ते में होते हैं, तो वे एक-दूसरे के लिए पेशेवर बाउंसिंग बोर्ड बन जाते हैं। इमरान ने आगे कहा, फिल्मों के बारे में हमें चुप कराना मुश्किल है। मैं रुकता नहीं हूं। मैं हमेशा उनके साथ फिल्मों के बारे में बात करता रहता हूं और एक कलाकार होने के नाते वह हमेशा कुछ न कुछ विचार रखती हैं... इसलिए यह मजेदार और मनोरंजक है। खुद को फिल्मी कपल बताते हुए इमरान ने कहा, मैं कहूंगा यदि आप फिल्मी लोगों के साथ घूमने-फिरने में बहुत अधिक समय बिताते हैं, तो यह बहुत जल्दी थका देने वाला हो जाता है क्योंकि हम फिल्मों के अलावा किसी और चीज के बारे में बात नहीं करते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इमरान और लेखा ने मुंबई के बांद्रा में बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर का अपार्टमेंट किराए पर लिया है और वे एक साथ रहने लगे हैं।

शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं विद्या बालन

बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। बोल्ड और बेबाक अंदाज के लिए प्रसिद्ध विद्या बालन की फिल्मों का फैंस बेसब्री से इंतजार करते हैं। उनकी फिल्म दो और दो प्यार रिलीज हो गई है। यह एक रोमांटिक फिल्म है, जिसका निर्देशन शीर्ष गुहाल ठाकुरता ने किया है। इस फिल्म को लेकर विद्या लागातार इंटरव्यू दे रही हैं। इसी दौरान विद्या ने अपनी एक दिली इच्छा जाहिर की है।

विद्या बालन ने अपने करियर में कई तरह की फिल्में की हैं। हमेशा से ही उनका यही मकसद रहा है कि वह अपनी फिल्मों के जरिए फैंस को ज्यादा से ज्यादा एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और एंटरटेनमेंट दे सकें। हो सकता है कि यही वजह है कि विद्या अब शाहरुख के साथ एक रोमांटिक फिल्म करना चाहती हैं, ताकि वह अपने फैंस को और भी एंटरटेन कर सकें। साल 2007 में आई विद्या की फिल्म हे बेबी में शाहरुख खान ने कैमियो किया था। शाहरुख इस फिल्म के गाने मस्त कलंदर में नजर आए थे। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और फरदीन खान नजर आए थे। हालांकि यह बात और कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन अब जबकि विद्या ने शाहरुख के साथ रोमांटिक फिल्म करने की इच्छा को जाहिर कर दिया है, ऐसे में देखना यह है कि इस पर शाहरुख का कोई रिएक्शन आता भी है या नहीं। विद्या बालन इन दिनों अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर काफी व्यस्त चल रही हैं। इसी फिल्म के लिए दिए हुए एक इंटरव्यू के दौरान जब विद्या से पूछा गया कि वह बॉलीवुड में किस अभिनेता के साथ काम करना चाहती हैं तो उन्होंने कहा, मेरा किरदार शाहरुख खान के साथ फिल्म ओम शांति ओम में बहुत ही कम समय के लिए था, लेकिन मैं शाहरुख के साथ एक अच्छी लव स्टोरी में काम करना चाहती हूं। हाल ही में एक और इंटरव्यू में विद्या ने कहा था कि वह कॉमेडी फिल्म करना चाहती हैं। इसपर विद्या ने कहा, बतौर अभिनेत्री में मुझे कभी कॉमेडी फिल्म करने का मौका नहीं मिला, लेकिन मैं करना चाहती हूं।

एक बार फिर खिसकी मेट्रो इन दिनों की रिलीज की तारीख

भूषण कुमार और निर्देशक अनुराग बसु की अगली फिल्म मेट्रो इन दिनों का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, लेकिन फिल्म की रिलीज के लिए उन्हें काफी इंतजार करना पड़ रहा है। कुछ समय पहले ही निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज की तारीख का खुलासा किया था, लेकिन एक बार फिर इसकी रिलीज आगे खिसक चुकी है। अब निर्माताओं ने फिल्म की नई रिलीज की तारीख से पर्दा उठाया है। अब यह फिल्म इस साल नवंबर में दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। अनुराग बसु दिल को छू लेने वाली कहानियां पर्दे पर लाने के लिए जाने जाते हैं। एक बार फिर वे ऐसी ही कहानियां आगामी एंथोलॉजी फिल्म मेट्रो...इन दिनों के जरिए दर्शकों के सामने लाने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने आज शुक्रवार को फिल्म की नई रिलीज की तारीख की घोषणा की। अनुराग बसु द्वारा निर्देशित यह फिल्म अब 29 नवंबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इससे पहले घोषणा की गई थी कि यह फिल्म 29 मार्च 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। हालांकि, फिल्म की रिलीज की तारीख को आगे खिसकाया गया और इसे 13 सितंबर 2024 को रिलीज करने की योजना बनाई गई। वहीं अब आखिरकार यह फिल्म इस साल 29 नवंबर को दस्तक देगी। मेट्रो...इन दिनों आदित्य रॉय कपूर और अनुराग बसु का दूसरा सहयोग है। दोनों ने पहली बार लूडो में साथ काम किया था।

मैं और कैटरीना आज भी ज्यादा से ज्यादा समय एक साथ बिताते हैं

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल ने वेलेंटाइन डे पर अपनी पत्नी कैटरीना कैफ के साथ बिताए पलों को याद किया। उन्होंने कहा कि जब वह डेटिंग कर रहे थे तो उनका लक्ष्य एक-दूसरे के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना रहता था। विक्की अपने भाई सनी कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन कपिल शो के मंच पर नजर आए। मेजबान कपिल शर्मा ने शादी से पहले और बाद में वेलेंटाइन डे की योजना के बारे में बात की। जिस पर विक्की ने शेयर किया कि शादी से पहले, हमारा लक्ष्य एक साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताना था। शादी के बाद भी वही स्थिति है कि हमें एक-दूसरे के साथ अधिकतम समय बिताना है। विक्की से सहमति जताते हुए कपिल ने टिप्पणी की, मैं सहमत हूं। मेरे लिए वैलेंटाइन डे हर रोज है। अपने मजाकिया अंदाज से सनी को चिढ़ाते हुए, कपिल ने कहा, क्या आप मानते हैं कि वेलेंटाइन डे हर रोज होता है या यह केवल 14 फरवरी को होता है। सनी और शारवरी वाघ कथित तौर पर एक कथित तौर पर रिश्ते में हैं। यह एपिसोड नेटफ्लिक्स पर शनिवार रात 8 बजे प्रसारित होने वाला है।

प्लास्टिक सर्जरी की अफवाहों पर राजकुमार राव ने चुप्पी तोड़ी

राजकुमार राव इन दिनों अपनी आगामी फिल्म श्रीकांत-आ रहा है सबकी आंखें खोलने को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच अभिनेता, दिलजीत दोसांझ के हालिया कॉन्सर्ट से वायरल अपनी एक तस्वीर को लेकर भी सुर्खियों में घिर गए हैं। तस्वीर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर चर्चा छिड़ गई कि राजकुमार राव ने प्लास्टिक सर्जरी कराई है। हालांकि, अब खुद अभिनेता ने अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है और फाइटर में खलनायक ऋभ साहनी के साथ तुलना किए जाने पर भी प्रतिक्रिया देते नजर आए हैं। एक इंटरव्यू में, राजकुमार ने कहा कि उन्हें यह बहस बहुत मजेदार लगी। अभिनेता ने कहा, अगर आपने वह तस्वीर देखी है तो वह मेरी तरह बिल्कुल भी नहीं लग रही है। यह वाकई एक बहुत बड़ा मजाक था क्योंकि इसमें मैं नहीं हूं। मुझे लगता है किसी ने प्रैंक किया है। मैं यकीन से कहता हूं कि इस तस्वीर के साथ किसी ने छेड़खानी की है। ये तस्वीर नकली है। राजकुमार यहीं नहीं रुके और अपनी बात में जोड़ा, लोग प्लास्टिक सर्जरी जैसे बड़े शब्दों का इस्तेमाल कर रहे थे, लेकिन मैंने ऐसा नहीं किया है। हालांकि, जब मैंने इंडस्ट्री में शुरुआत की थी, तो लोग मेरे लुक्स पर कमेंट करते थे, तो 8-9 साल पहले, मैंने फिलर्स करवाया था। मैंने बेहतर दिखने और महसूस करने के लिए ऐसा किया था। जिससे मेरा चेहरा सही संतुलित नजर आए। और ये मैंने स्किन के डॉक्टर से सलाह के बाद किया था। मेरा मानना है कि अगर कोई ऐसा आत्मविश्वास पाने के लिए करना चाहता है तो क्यों नहीं, इसमें कोई बुराई नहीं है। अभिनेता ने वायरल तस्वीर को लेकर हो रही ट्रोलिंग पर कहा, उट्रोल्स का कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि ये प्रैंक है। मैं जानता हूं कि ये नकली है। इसके अलावा ऐसे ट्रोल भी हैं, जो सिर्फ ध्यान खींचने के लिए ऐसा करते हैं। मुझे लगता है कि ये सबसे दुखद बात है, जो कोई भी ऐसा करता है। सितारों को अच्छा दिखने के लिए हमेशा दबाव का सामना करना पड़ता है, लेकिन उनके लिए हमेशा काम ही प्राथमिकता रहती है। राजकुमार राव ने अपनी वायरल तस्वीर की तुलना फाइटर (2024) के विलेन ऋभ साहनी से किए जाने पर कहा, मुझे यह बहस बहुत मजेदार लगी, मैंने उस वायरल फोटो को भी देखा। वह छवि इतनी साफ-सुथरी दिखती है सच है, मेरी त्वचा उस तरह की बेदाग नहीं है। मुझे सच में विश्वास है कि मैं एक के पॉप स्टार की तरह दिखने लगा हूं।

ये भ्रम है कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा और ओटीटी धमाल मचा रहा है

करीब 30 साल से भी ज्यादा वक्त से ऐक्टिंग इंडस्ट्री में सक्रिय मनोज बाजपेयी वक्त के साथ लगातार गाढ़े होते गए। पढ़ने-लिखने के शौक के साथ वह खुद भी एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं। इसी वजह से दूसरे अपेक्षाएं रखें या ना रखें, लेकिन वह खुद से बहुत अपेक्षाएं रखते हैं। विलेन हो या हीरो, उन्होंने अपनी अदाकारी से हर किरदार को पर्दे पर घोलकर साकार किया है। इन दिनों उन्हें गुत्थियां सुलझाते हुए भी खूब देखा जा रहा है। अब मनोज बाजपेयी जल्द ही फिल्म साइलेंस-2 में एसीपी अविनाश के रूप में फिर से नई गुत्थी सुलझाते दिखेंगे।

मेरा सपना पहाड़ों पर रहने का है

मैं 30 साल से ज्यादा वक्त से फिल्म इंडस्ट्री में हूं। अब मैं चीजें सीख-सीखकर बहुत गाढ़ा हो गया हूं। मुझे पढ़ाई-लिखाई का शौक है। गाढ़े होने की वजह से ही मैं जितना हो सके बेहतर निकालने की कोशिश करता हूं। अभिनय के साथ मुझे ज्ञान जुटाने का शौक है। मगर पहाड़ों पर घर का सपना बुनने का इससे कोई लेना देना नहीं। हां, कोरोना काल में पहाड़ों पर काफी रहना हुआ। आठ महीने वहां रहा था। उस वक्त वहीं शूटिंग चल रही थी, जिसे रोक दिया गया था।

रंगमंच को मिले सरकार का सपोर्ट

रंगमंच पूरे तरीके से लोगों तक तभी पहुंच पाएगा, जब सरकार का सपोर्ट होगा। जगह-जगह पर कलाकारों को उस तरह की सुविधाएं दी जाएं कि वह शहर या राज्य के अलग-अलग कोनों पर जाकर सरकार की मदद से लगातार परफॉर्मे?स दें। ऐसी सांस्कृतिक गतिविधियां हर राज्य के कोने-कोने में होनी चाहिए, जहां पर ना सिर्फ थिएटर बल्कि वहां की लोक संस्कृतियां और लोक संगीत सब पनपे। ये सब थिएटर के एक्सटेंड वर्जन हैं। सरकार इसमें आगे आए तो रंगमंच का हर रंग जगह बिखरेगा।

मशहूर लोगों की बायॉपिक याद रहती है

बायॉपिक के सवाल पर मनोज बाजपेयी कहते हैं, देखिए, मैंने भी की है लेकिन अफसोसजनक है कि सबको मशहूर लोगों की बायॉपिक ही याद रहती है या उसकी वो बात करते हैं। मैंने फिल्म अलीगढ़ की थी, जिसे बहुत नाम व सम्मान मिला। वह फिल्म किसी प्रफेसर की निजी जिंदगी की कहानी थी। उसको भी मैं बायॉपिक ही बोलता हूं। मेरे लिए जरूरी है कि किरदार मुझे उत्साहित कर रहा या चुनौती दे रहा है कि नहीं। मैं उन किरदारों को नहीं छोड़ता जो ये कहे कि अगर नहीं किया तो अभिनेता का जीवन असफल रह जाएगा। अगर आगे भी किसी की बायॉपिक मिलती है तो मैं उसे करने के लिए तैयार हूं।

कहना गलत है कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा

यह कहना पूरी तरह से गलत होगा कि सिनेमा कमाल नहीं कर पा रहा और ओटीटी धमाल मचा रहा है। यह सिर्फ एक भ्रम है, जो लोगों के जेहन में उतर गया है। बहुत सारा ओटीटी का कॉन्टेंट, जिसमें फिल्में व सीरीज आती हैं, वे अच्छा नहीं भी कर पाती हैं। वैसे ही, थिएटर सिनेमा है। उसे बस जरा सा समय चाहिए। थिएटर को कोरोना की ऐसी बुरी मार पड़ी है कि लोग तो आ रहे लेकिन कुछेक चुनिंदा फिल्मों के लिए। हालांकि, अब उन्होंने फिर से जाना शुरू कर दिया है। मेरे खयाल से अगले एक साल में पूरा दर्शक समुदाए फिर से थिएटर की ओर लौट आएगा। बशर्ते, अगर कोई अनहोनी घटना नहीं घटती है तो।

मैं खुद से बहुत अपेक्षाएं रखता हूं

अभिनेता के अतिरिक्त, मैं खुद में बहुत जिम्मेदार व्यक्ति हूं। मैं खुद से बहुत सी अपेक्षाएं रखता हूं इसलिए दर्शक मुझसे क्या उम्मीद रखते, इस तरह का बाहरी दबाव लेने की मुझे जरूरत नहीं पड़ती। मैं अपनी अपेक्षाओं और ऐक्टर की जिम्मेदारी से स्वयं में इतना दब जाता हूं कि पूरे समय उसके साथ ही न्याय करता रहता हूं। मुझे ऐक्टिंग में मजा आता है। बाहर से प्रेशर लेकर मैं काम नहीं कर पाऊंगा। जो प्रेशर है, वो भीतर से है। वही लेकर मैं पैदा हुआ हूं। बिना किसी समझौते के अच्छा काम करने की ख्वाहिश और उसे अंजाम तक लेकर जाना मेरी नस-नस में है।

26 को रिकॉर्ड मतों से विजयी बनाएं : पंकज सिंह

सेक्टर-71 में पन्ना प्रमुख सम्मेलन में विधायक ने की अपील

नोएडा (चेतना मंच)। भाजपा नोएडा महानगर द्वारा 'पन्ना प्रमुख सम्मेलन' का आयोजन किया गया। विधायक पंकज सिंह सेक्टर-71 में सभी बूथ और पन्ना प्रमुखों को संबोधित किया। उनके साथ विधान सभा प्रभारी मिनाक्षी भराला मौजूद रहे।

पंकज सिंह ने पार्टी को सशक्त बनाने में मुख्य स्तम्भ की भूमिका निभाने वाले पन्ना प्रमुखों से आग्रह किया गया और आगामी 26 अप्रैल को भाजपा के पक्ष में मतदान कर भाजपा प्रत्याशी डॉ0 महेश शर्मा को अधिक से अधिक मतों से विजय बनायें।

कार्यक्रम में विधान सभा संयोजक गणेश जाटव, जिला महामंत्री उमेश त्यागी, मंडल अध्यक्ष निर्मल सिंह, पूनम सिंह, अमित त्यागी एवम समस्त पदाधिकारीगण एवम पन्ना प्रमुख मौजूद रहे।

दो अंतर्राज्यीय हथियार सप्लायर गिरफ्तार

15 तमंचे, कारतूस, बाइक तथा स्कूटी बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 पुलिस ने अवैध हथियारों के दो अंतरराज्यीय सप्लायरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 15 तमंचे, कारतूस, बाइक व स्कूटी बरामद हुई है। पकड़े गए हथियार सप्लायर 5 से 7 के बीच बदमाशों को तमंचा मुहैया कराते थे।

एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया कि थाना सेक्टर 24 प्रभारी विवेक श्रीवास्तव को सूचना मिली कि अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाला अंतरराज्यीय सप्लायर जगत सिंह उर्फ चिंटू किसी बदमाश को हथियार की सप्लाई देने के लिए नोएडा आया हुआ है। वह नोएडा के सेक्टर 11 स्थित मदर डेयरी के पास खड़ा हुआ है। सूचना के आधार पर पुलिस ने छापा मार कर जगत सिंह उर्फ चिंटू को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से 315 बोर के तीन तथा 12 बोर के चार तमंचे, 6 कारतूस तथाचोरी की स्कूटी बरामद हुई। पूछताछ में जगत सिंह उर्फ चिंटू ने बताया कि वह विभिन्न राज्यों व जिलों में घूम घूम कर अवैध हथियारों की सप्लाई करता है। वह बदमाशों को 12 बोर का तमंचा 5 हजार तथा 315 बोर का तमंचा 7 हजार रुपए के बीच बेचता था।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए जगत सिंह उर्फ चिंटू पर नोएडा व दिल्ली में 9 मुकदमे पंजीकृत हैं। जगत सिंह से पूछताछ के बाद पुलिस ने उसके साथी राहुल उर्फ गोविंद उर्फ़ जुड़ी को सेक्टर 53 बिजली घर के पास से गिरफ्तार किया। इसके पास से 315 बोर के तीन तथा 12 बोर के पांच तमंचे व कारतूस तथा एक बाइक बरामद हुई। पकड़े गए हथियारों के सप्लायरों ने बताया कि वह बदमाशों की डिमांड पर उन्हें हथियार उपलब्ध करते थे।

अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल ने भाजपा प्रत्याशी को दिया समर्थन

नोएडा (चेतना मंच)। नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने हेतु अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल ने अपना समर्थन सांसद प्रत्याशी डॉ महेश शर्मा को दिया। इस अवसर पर सांसद प्रत्याशी की धर्मपत्नी उमा शर्मा एवं भाजपा नेता एवं व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के अध्यक्ष अशोक गोयल उपस्थित रहे। अखिल भारतीय अग्रवाल वैश्य मित्र मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष राधा कृष्ण गर्ग ने सभी क्षेत्रवासियों से अपील की कि इस बार कम से कम 75 से 80 प्रतिशत तक मतदान सुनिश्चित किया जाए।

सांसद प्रत्याशी की धर्मपत्नी उमा शर्मा ने भी क्षेत्र के सभी वैश्य, व्यापारी एवं समाजसेवी संस्थाओं से अपील की कि इस चुनाव में ज्यादा से ज्यादा मतदान करें एवं कमल का बटन दबा कर डॉ महेश शर्मा को भारी मतों से विजयी बनायें।

भाजपा नेता एवं व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक गोयल ने सभी व्यापारी एवं समाज के लोगों से आग्रह किया कि अपने अपने क्षेत्र मे अन्य सभी कामो को छोड़ कर सभी लोगों का 100 प्रतिशत मतदान सुनिश्चित कराएं।

इस अवसर पर संगठन महामंत्री सुधीर पोरवाल, एडवोकेट एल. के गोयल, सुनील गुप्ता, अमित अग्रवाल, सुरेंद्र गर्ग, रोहतास गोयल, श्रीकांत बंसल, मनोज गोयल, अनुज गर्ग, कपिल गर्ग, दीक्षित गोयल, शैलेन्द्र पोरवाल, पवन गोयल, श्रीभगवान अग्रवाल, अतुल गुप्ता धरमवीर बंसल, जिला अध्यक्ष शारदा सिंघल, सविता शर्मा, सुनीता शर्मा, संगीता शर्मा, रमा शर्मा, मधु वैश्य, डिंपल आनन्द के साथ-साथ संस्था के समस्त पदाधिकारीगण एवं वैश्य समाज के लोग उपस्थित रहे।

नोएडा में 25 फुटा रोड तथा तिगड़ी एवं अन्य इलाकों में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते डॉ. महेश शर्मा के छोटे भाई तथा कामधेनु ट्रस्ट के अध्यक्ष डॉ नरेश शर्मा भाजपा किसान मोर्चा के उत्तर प्रदेश के सह मीडिया प्रभारी अमित त्यागी, राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र के बेटे अमित मिश्रा, अशोक चौहान, भाजपा के महामंत्री चंदगीराम यादव, सांसद प्रतिनिधि रोहित शर्मा तथा अन्य नेता एवं कार्यकर्ता।

रालोद प्रत्याशी के लिए घर-घर किया प्रचार

बागपत (चेतना मंच)। बागपत लोकसभा की मोदीनगर विधानसभा के उजाड़ा,काजमपुर, नगला सोंदा आदि गांव में राष्ट्रीय लोक दल भाजपा के संयुक्त प्रत्याशी डॉ. राजकुमार सांगवान के लिए राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के प्रदेश महासचिव अरुण चौधरी, वरिष्ठ नेता गजेंद्र सिंह तेवतिया, आजमपुर के पूर्व प्रधान भाई मनोज चौधरी आदि के साथ मिलकर राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश प्रवक्ता प्रियंका अत्रि ने डोर टू डोर प्रचार किया।

उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल ने अनाथ बच्चियों को लिया गोद

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मण्डल ने सेक्टर-49 प्रदेश कार्यालय में दो अनाथ बच्चियों को गोद लिया। नोएडा के प्रमुख समाजसेवी व्यक्तियों के द्वारा इन बच्चों की पढ़ाई लिखाई का पूरा खर्च वहन किया जाएगा। मेमोरियल स्कूल के प्रिंसिपल राजेश कुमार ने दोनों बच्चियों का एडमिशन किया।

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बच्चों की पढ़ाई लिखाई से संबंधित सभी वस्तुओं के साथ बच्चियों को साइकिल भी दी।

व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन ने कहा कि जब तक बच्चे 18 वर्ष के नहीं हो जाते है तो इनका पूरा खर्चा व्यापार मंडल वहन करेगा। प्रदेश महामंत्री प्रवीन गर्ग ने बताया कि इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से अनिल बब्बर, अमरजीत, रामाजी, सौरभ सिंगल, हरीश जैन, मोतीराम, निखिल अग्रवाल, अंकित, रंजना यादव व अन्य अनेक समाजसेवी लोगों ने सहायता की।

6 शातिर चोर गिरफ्तार

9 मोबाइल, 30 कीपैड, 3 एलईडी, वैगनआर कार व दो बाइक बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-3 पुलिस ने 6 अंतरराज्यीय चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से चोरी के 9 स्मार्ट मोबाइल फोन, 30 की पैड मोबाइल फोन, तीन एलइडी, चोरी की घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार, दो बाइक व नगदी बरामद की है।

सेंट्रल जोन के एडीसीपी हृदेश कठेरिया ने बताया कि थाना प्रभारी विजय कुमार व उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर कमरुद्दीन, शाहवेज खान, शादाब उर्फ इंतजार, धीरेंद्र सिंह, विजय व अमन को गिरफ्तार किया। इनकी निशानदेही पर 9 स्मार्ट मोबाइल फोन, 30 कीपैड मोबाइल फोन, 3 एलइडी टीवी, एक इंडक्शन चूल्हा, घटना में प्रयुक्त वैगनआर कार, दो बाइक व 5 हजार रुपए बरामद किए। उन्होंने बताया कि पकड़े गए आरोपियों ने बीते दिनों गढ़ी गांव में एक इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में चोरी की वारदात को अंजाम दिया था। चोरी की यह पूरी घटना इलेक्ट्रॉनिक शोरूम के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पकड़े गए आरोपी चोरी के माल को बेचने की फिराक में थे लेकिन मुखबिर की सूचना पर वह पुलिस की हत्थे चढ़ गए।

एडीसीपी ने बताया कि पकड़े गए कमरुद्दीन पर 9, नरेंद्र सिंह पर पांच, सावेज खान, शादाब उर्फ इंतजार,विजय सिंह तथा अमन पर दो दो मुकदमे पंजीकृत हैं। पकड़े गए आरोपियों ने चोरी की कई घटनाओं को अंजाम देना स्वीकार किया है।

'26 को नोएडा का हर नागरिक करें मतदान'

एक्सप्रेस व्यू एपार्टमेंट के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रवेश चौहान व मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर के आवास पहुंचे विधायक

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के विधायक तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिह ने सेक्टर-93 स्थित गोल्फ व्यू एक्सप्रेस एपार्टमेंट में दौरा कर भाजपा के पक्ष में समर्थन की अपील कर वोट मांगे। इस दौरान पंकज सिंह ने कहा कि सभी 26 अप्रैल को मतदान करें तथा तीसरी बारर नरेन्द्र मोदी को देश के प्रधान सेवक की जिम्मेदारी सौंपे ताकि हम विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर सकें।

इस मौके पर विधायक पंकज सिंह आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष व भाजपा शहरी विकास मोर्चा के उपाध्यक्ष प्रवेश चौहान के आवास पहुंचे। इसके बाद वे भाजपा के मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर के आवास पहुंचे तथा उनके जन्म दिन पर उनको बधाई दी।

इस अवसर पर महामंत्री गणेश जाटव, उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र चौहान, मीडिया प्रभारी तन्मय शंकर, शहीद भगत सिंह मंडल की प्रभारी प्रज्ञा पाठक, मंडल अध्यक्ष रवि प्रधान के अलावा जय प्रकाश, आरपी त्रिपाठी, भूषण कुमार सिंह, विशाल श्रीवास्तव, सुभाष सिंह, अरूण यादव, गजेन्द्र कुमार, एलटी तिवारी, अंकुश कौल, अजीत यादव, इन्दु सिंह, भावना यादव, अजीत यादव, कमल वर्मा, अलका गुप्ता, सुनीता यादव समेत सेक्टर के सैकड़ों लोग मौजूद थे।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!

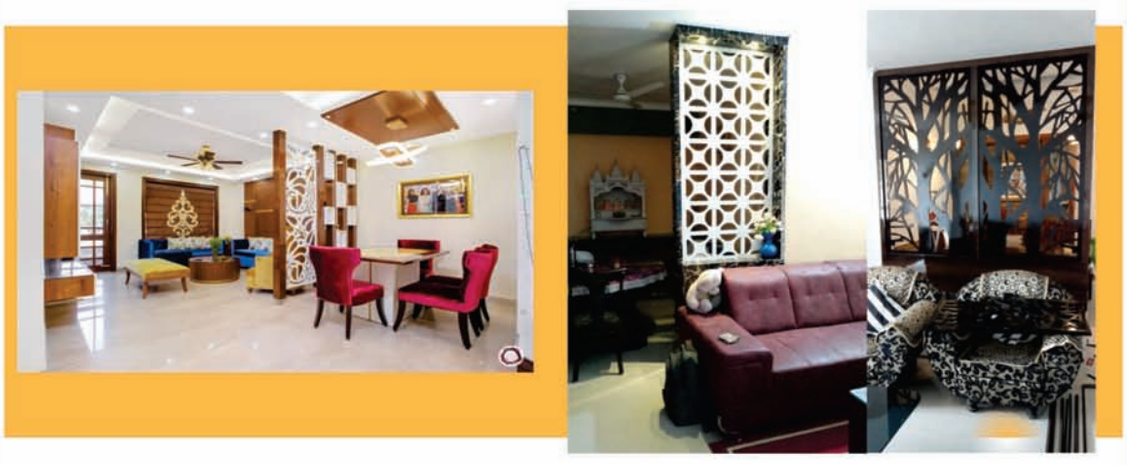

Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME MICRO, SMALL & MEDIUM ENTERPRISES
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com